● वर्ष-3
● अंक-219
रायपुर, मंगलवार
23 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› क्यों है रामलला की मूर्ति का रंग ...

# कांग्रेस ने पाताल से आकाश तक घोटाला किया: नड्डा

## कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की है और मोदी ने विकास की

**रायपुर/ बिलासपुर।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत लोरमी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पाताल से लेकर आकाश तक भ्रष्टाचार किया है क्या ऐसी पार्टी को समर्थन देना चाहिए? इंडी एलायंस घमंडिया गठबंधन के नेता या तो जेल में हैं या फिर बेल पर हैं। श्री नड्डा ने बिलासपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी तोखन साहू को जीताकर देश की सबसे बड़ी संसद में भेजनें की अपील उपस्थित जनसमुदाय से की। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि तीन माह पूर्व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की कुशासित सरकार थी जिसे जनता ने उखाड़ फेंका। आपका एक वोट बहुत महत्वपूर्ण है। जो बड़े बड़े फैसले लेने का काम करेगा। 2014 के लोकसभा चुनाव में आपने मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जब उस समय देश की स्थिति अच्छी नहीं थी। मोदी जी के प्रयास से देश खड़ा हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में आपने फिर मोदी जी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाया। देश में मजबूत और स्थिर सरकार बनी और जनहित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जम्मू कश्मीर में दो विधान दो निशान थे उनको धारा 370 के तहत अधिकार दिए गए थे।? मोदी सरकार द्वारा धारा 370 खत्म कर दी गई यह मोदी जी की देन है।? हमनें राममंदिर निर्माण का फैसला लिया था जब हम नारे लगाते थे कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे तो कांग्रेस पार्टी उपहास करते हुए कहती थी तारीख नहीं बताएंगे। परंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में श्रीराम जी की भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। विभाजन के बाद पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर

प्रताड़ित हुए लोगों को नागरिकता देने की बात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी करते थे परंतु हिम्मत किसी में नहीं थी। मोदी जी ने सीएए कानून लाकर उनको नागरिकता देने का काम किया। यह मजबूत सरकार का मजबूत फैसला था जो आपके वोट से संभव हो सका।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक़ से मुक्ति दिलायी। मोदी जी सबका साथ सबका विकास के मूलमंत्र पर काम कर रहे हैं।? उन्होंने भारत की राजनीति की दिशा और दशा दोनों ही बदल दी हैं।? कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की है और मोदी जी ने विकास की। 2014 में शपथ लेते ही उन्होंने कहा था कि यह गांव, गरीब, किसान, युवा दलितों और महिलाओं को समर्पित सरकार है। आज गांव गांव में पक्की सड़क है। 4 करोड़ पीएम आवास बन चुकें हैं और 3 करोड़ आवास और बनने है। 10 करोड़ बहनों को उज्जवला गैस सिलेंडर, जल जीवन मिशन में 11 करोड घरों में पेयजल, इसमें छत्तीसगढ़ को 36 लाख और 2.5 लाख बिलासपुर को दिया गया है। स्वच्छ भारत के तहत 12 करोड़ शौचालय की सौगात दी गई। आयुष्मान भारत योजना में 10 करोड़ 74 लाख परिवार, 55 करोड़ लोग जिनमें 40 प्रतिशत आबादी गरीबों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज होगा। इसमें अब 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को भी जोड़ा जाएगा।

### आज सबसे सस्ती और अच्छी दवा हम बना रहे हैं और 138 प्रतिशत एक्सपोर्ट बढ़ गया है

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत देश 11 वें पायदान से छलांग लगाकर 5वीं विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है हमनें दो सौ वर्षों तक देश में राज करने वाले ब्रिटेन को भी पीछे कर दिया और अगले दो वर्षों में हम तीसरे पायदान में पहुंच जाएंगे। आज सबसे सस्ती और अच्छी दवा हम बना रहे हैं। हमारा एक्सपोर्ट 138 प्रतिशत बढ़ गया है। पहले दीवाली पर पूजने वाली मूर्तियां चाइना बनाता था इतना ही नहीं बच्चों के खिलौने भी चाइना बनाता था। आज मोदी जी के प्रयास से देश में ही यह सब बन रहा है टॉय इंडस्ट्री में हमारा निर्यात ढाई गुना बढ़ गया है। आटोमोबाइल सेक्टर में हम जापान को पछाड़ कर तीसरे स्थान पर है। सूर्य योजना के तहत घरों की छतों पर सौर ऊर्जा प्लांट जिससे मुफ्त में उर्जा मिलेगी और अतिरिक्त ऊर्जा को बेच भी सकते हैं। मोदी जी ने तीन करोड़ लखपति दीदीयां बनाने का लक्ष्य रखा है। किसानों को सम्मान निधि मिलती रहेगी और 80 करोड़ जनता को 5 किलो प्रति सदस्य अनाज मिलता रहेगा। श्री नड्डा ने कहा कि अमृत भारत के तहत आने वाले समय में एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन को विकसित करेंगे जिसे लोग दोनों में अंतर ही नहीं कर पाएंगे।? रेल का बजट ढ़ाई गुणा बढ़ा है छत्तीसगढ़ के भिलाई में आईआईटी, छत्तीसगढ़ में पांच नए मेडिकल कॉलेज खोले गए। स्मार्ट सिटी दी गई ।

### मोदी ने की योगीकी जमकर तारीफ, बोले-

# बुलडोजर से पहचानने वाले...

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राज्य में विकास लाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की। अलीगढ़ में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उस भाजपा के कारण ही हमारा उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर सेना का केंद्र बन रहा है। बुलडोजर से योगी (आदित्यनाथ) की पहचान करने वालों को मैं बताना चाहता हूं कि योगी सरकार ने जो औद्योगिक कार्य किया है, वह आजादी के बाद से कभी किसी ने नहीं किया। मुझे गर्व है कि मेरे पास उनके जैसा मुख्यमंत्री है। मोदी ने आगे कहा कि एक जिला, एक उत्पाद का उनका मिशन पूरे देश में नया सम्मान पैदा कर रहा है...काशी के सांसद के रूप में वह मेरे मुख्यमंत्री भी हैं। मुझे गर्व है कि मेरे पास ऐसे सहकर्मी हैं। इस कार्यक्रम में अन्य बीजेपी नेताओं के साथ योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

# भाजपा ने असली आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाया: साय

**रायपुर/मानपुर।** छत्तीसगढ़ के आदिवासियों की बहुत दिनों से मांग थी कि छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री एक आदिवासी होना चाहिए। इस मांग को भाजपा ने, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पूरा किया। एक असली आदिवासी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। कांग्रेस ने एक नकली आदिवासी अजीत जोगी को मुख्यमंत्री बनाया था, जो बाद में जांच में नकली आदिवासी निकले। आज एक असली आदिवासी मुख्यमंत्री आप सभी से आशीर्वाद लेने आया है। सभी को आशीर्वाद देना है, मानपुर का तीव्र गति से विकास करना है। राजनांदगांव लोकसभा के अंतर्गत मानपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचारी पार्टी है। तभी तो उनके पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि हम दिल्ली से 1 रुपया भेजते हैं और वो आम लोगों तक केवल 15 पैसा पहुँचता है। मतलब साफ़ है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। कांग्रेस और भूपेश बघेल को घेरते हुए श्री साय ने कहा कि कांग्रेस लबरा पार्टी है, ठगरा पार्टी है। कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी

खा गए। तभी तो छत्तीसगढ़ की जनता ने 2023 में कांग्रेस को सरकार से आउट कर दिया।

उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। पहले गंगा मैया का अपमान किया, फिर महादेव के नाम को भी भूपेश बघेल ने नहीं छोड़ा। महादेव सट्टा एप निर्बाध रूप से चले इसके लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा, एफआईआर भी दर्ज हुआ। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात है। उनको ऐसे हराना है कि राजनांदगांव की तरफ नजर भी न उठा सके। पूरे पांच साल की सरकार में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को अपमानित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। जेल में चक्की पीस रहे हैं। जमीन पर सो रहे हैं, मच्छर काटने से परेशान हैं। छः महीने से एक साल हो गए उनका जमानत नहीं हो रहा है। आज भी कई भ्रष्ट अधिकारी जेल गए हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। कांग्रेस को फिर से सबक सिखाना है। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस को जीरो में आउट करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। क्योंकि एक गरीब ही दूसरे गरीब के मर्म को समझता है।

# भीषण गर्मी से निपटने को चुनाव आयोग ने किया स्पेशल टास्क फोर्स का गठन

**नई दिल्ली।** भीषण गर्मी के बीच चल रहे लोकसभा चुनावों को लेकर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को हीटवेव और उमस के प्रभाव की समीक्षा करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया, जो प्रत्येक मतदान चरण से पांच दिन पहले ऐसा करेगी। शुक्रवार के दूसरे चरण के लिए, ईसीआई ने कहा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सूचित किया है कि हीटवेव के संबंध में कोई बड़ी चिंता नहीं है और मौसम का पूर्वानुमान सामान्य है। बैठक में लिए गए चार प्रमुख निर्णयों में टास्क फोर्स के गठन का निर्णय भी शामिल था। चुनाव आयोग ने कहा कि टास्क फोर्स में चुनाव पैनल, आईएमडी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारी होंगे। इसके अतिरिक्त, चुनाव निकाय ने स्वास्थ्य मंत्रालय को चुनाव संचालन को प्रभावित करने वाली स्थितियों के लिए तैयारी के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का निर्देश दिया।

# तेजस्वी को पप्पू से इतनी दिक्कत!

## पूर्णिया में कहा- इंडिया नहीं तो एनडीए को चुन लो

**नई दिल्ली।** बिहार में सियासी पारा चढ़ने के साथ ही पप्पू यादव और तेजस्वी यादव की तनातनी साफ तौर पर दिखाई देने लगी है। पप्पू यादव पूर्णिया से चुनाव लड़ रहे हैं। वह निर्दलीय उम्मीदवार है। कांग्रेस के खाते में पूर्णिया सीट नहीं गई। राजद न यहां से बीमा भारती को चुनावी मैदान में उतारा है। पूर्णिया सीट अब तेजस्वी यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है। यही कारण है कि वह लगातार लोगों से बीमा भारती के पक्ष में मतदान करने की अपील करते नजर आ रहे हैं। इन सबके बीच तेजस्वी ने आज पूर्णिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए साफ तौर पर कह दिया कि अगर आप इंडिया गठबंधन को नहीं चुनना चाहते हैं तो एनडीए को चुन लो। लेकिन इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। इसका मतलब साफ है कि तेजस्वी यह कहना चाहते हैं कि आपको पप्पू यादव को वोट देने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि किसी के धोखे में आने की जरूरत नहीं है। यह किसी एक व्यक्ति का चुनाव नहीं है।

## प्रमुख समाचार

### 'पांच साल हो गए, आप लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं': सीजेआई

**नई दिल्ली।** देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांग लोगों के अधिकारों के लिए बनाए गए कानून को देशभर में लागू करने में हो रही देरी पर निराशा जताई है और उन राज्य सरकारों को कड़ी फटकार लगाई है, जहां अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 का कार्यान्वयन कानून लागू होने के पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पूरे भारत में निराशाजनक बना हुआ है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की खंडपीठ ने एक जनहित मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि दिव्यांगों के अधिकारों से संबंधित एक्ट बने हुए पांच साल हो गए लेकिन अभी तक कई राज्य सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी है। सीजेआई ने इस बात पर घोर निराशा जताई कि कई राज्यों ने अभी तक कमिश्नर भी नियुक्त नहीं किए हैं। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, कई राज्यों ने अधिनियम के तहत नियम भी नहीं बनाए हैं.

### इंसुलिन और डॉक्टर से परामर्श पर केजरीवाल को झटका

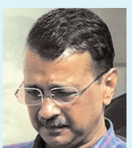

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली की एक अदालत ने अर्विंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने तिहाड़ जेल में उन्हें इंसुलिन उपलब्ध करवाने और चिकित्सकों से हर रोज 15 मिनट परामर्श करने की अनुमति मांगी थी। कथित आबकारी घोटाला मामले में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की नियमित तौर पर अपने निजी डॉक्टर से 15 मिनट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परामर्श लेने के आवेदन को अदालत ने खारिज किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अर्विंद केजरीवाल की मांग खारिज कर दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने अपने आदेश में कहा कि केजरीवाल को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। अदालत ने अपने निर्देश में कहा कि विशेष परिस्थितियों में जेल प्रशासन एम्स निदेशक द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की सलाह लेकर उपचार उपलब्ध कराया जाए। इसी के साथ अदालत ने एम्स को निर्देश दिया है कि वो एक मेडिकल बोर्ड का गठन करे और यह बोर्ड अरविदं केजरीवाल के हेल्थ की जांच करेगी।

### ममता सरकार को बड़ा झटका, 24 हजार शिक्षकों की नौकरी गई

**कोलकाता।** कलकत्ता हाई कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में सोमवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने बंगाल सरकार की ओर से प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द कर दीं। 2016, राज्य स्तरीय परीक्षा के जरिए ये सभी भर्तियां हुईं जिसमें घोटाले के आरोप लगे। इस फैसले का असर ग्रुप सी, डी और IX, X, XI, XII कैटेगरी के तहत भर्ती किए गए सभी शिक्षकों पर पड़ेगा। आज के फैसले से करीब 24,000 शिक्षकों की नौकरियां चली गईं। जस्टिस देबांगसु बसाक और जस्टिस मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने इस मामले पर आज सुनवाई की। अदालत ने नियुक्त लोगों को 6 हफ्ते के भीतर अपना वेतन लौटाने का आदेश दिया। साथ ही, राज्य सरकार को नई भर्ती अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया। यह भी कहा गया कि सीबीआई मामले में अपनी जांच आगे जारी रखेगी। इसके अलावा, उसे तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया। हाई कोर्ट का यह आदेश राज्य सरकार प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति पर भी लागू होगा।

### लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले भाजपा का खाता खुला

**सूरत।** लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खाते में एक सीट आ गई है। दरअसल, गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। एक अधिकारी के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने और अन्य सभी प्रत्याशियों के अपने नामांकन वापस लेने के बाद ऐसे समीकरण बने हैं। नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन आठ उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इससे पहले भाजपा की गुजरात इकाई के अध्यक्ष सीआर पाटिल ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सूरत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला कमल भेंट किया है। मैं सूरत लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। सूरत जिला चुनाव कार्यालय के मुताबिक, मुकेश दलाल को छोड़कर सूरत से मैदान में उतरे सभी आठ उम्मीदवारों (चार निर्दलीय, तीन छोटे दलों से और बहुजन समाज पार्टी के प्यारेलाल भारती) ने आखिरी दिन अपना नामांकन वापस ले लिया।

### पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को दो दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

**रायपुर।** आबकारी घोटाले मामले में गिरफ्तार रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा की एक दिन की न्यायिक रिमांड पूरी होने के बाद वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश किया गया. मामले में सुनवाई के दौरान डिस्ट्रिक जज ने टुटेजा को 2 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया है. अब पीएमएलए कोर्ट के स्पेशल जज के छुट्टी से वापस आने पर 24 अप्रैल को पेश कर रिमांड लेने के डिस्ट्रिक जज (डीजे) कोर्ट ने निर्देश दिए हैं. बता दें कि शनिवार को ईडी ने एसीबी-ईओडब्ल्यू ऑफिस से अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टूटेजा को समन देकर अपने साथ पुछताछ के लिए अपने साथ लेकर जोनल ऑफिस चली गई थी. जहां दोनों से लंबी पुछताछ के बाद अलसुबह यश टुटेजा को छोड़ दिया लेकिन अनिल टुटेजा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशकर 14 दिन की रिमांड मांगी थी लेकिन रविवार छुट्टी होने के कारण लगे हॉलीडे कोर्ट में पेश किया गया. जहां ईडी ने अनिल टुटेजा से ईडी द्वारा आबकारी घोटाले मामले में दर्ज की गई फ्रेश एफआईआर में पूछताछ करने लिए 14 दिन की ईडी रिमांड मांगी थी. दोनों बचाव और ईडी के वकीलो की बहस सुनने के बाद जेएमएफसी कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखने के बाद देर शाम अनिल टुटेजा को एक दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया.

# भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई की धार भोथरी?

**अजय सेतिया**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी सभा में कह रहे हैं कि वह भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजेंगे, फिर वह कोई कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो। हालांकि चुनावों के दौरान उन्होंने जिस तरह कांग्रेस और अन्य दलों के दागियों के लिए भाजपा के दरवाजे खोले हैं, उससे उनकी करनी और कथनी में अंतर साफ़ दिखाई देता है।

कांग्रेस के जिन नेताओं के खिलाफ भाजपा के बड़े बड़े नेता बोलते रहे, उन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाते रहे, वे अब भाजपा के नेता हो चुके हैं। यहाँ तक कि उनमें से कुछ तो ऐसे भी हैं, जिनके खिलाफ पिछले चुनावों में खुद नरेंद्र मोदी ने बड़े आरोप लगाए थे। बड़ी तादाद में ऐसे कांग्रेसियों के लिए भाजपा के दरवाजे खुलने से नरेंद्र मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के दावे में खोखलापन दिखाई देता है।

विपक्ष के नेता ऐसे कई नेताओं के नाम भी गिनाते हैं, हालांकि जब वे कांग्रेस के पूर्व नेताओं की तरफ उंगली उठाते हैं, तो उनकी चार उंगलियाँ खुद की तरफ होती हैं, जो पूछ रही होती हैं कि जब वे कांग्रेस में थे, तो क्या दूध के धुले थे। कहने का मतलब है कि जब कोई दागी सामने वाली पार्टी में होता है तो उस पर उंगली उठाई जाती है, लेकिन जब वह खुद की पार्टी में होता है, तो चुप्पी साध ली जाती है।

भ्रष्टाचारियों के लिए दरवाजे खोल देने के बाद नरेंद्र मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई भोथरी हो गई है। चुनाव की शुरुआत में भाजपा को भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई का जितना लाभ होता दिख रहा था, वह अब उतना नहीं रहा, क्योंकि खुद भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भ्रष्टाचारियों की भीड़ से खुद को शर्मिंदा महसूस करने लगे हैं।

अब तक तो उन्हें सिर्फ बंगारू लक्ष्मण की एक गलती के कारण शर्मिन्दगी उठानी पड़ती थी, लेकिन अब उन नेताओं का भी बचाव करते हुए शर्मिन्दगी उठानी पड़ती है, जिन्होंने कांग्रेस में रहते हुए व्यापक भ्रष्टाचार किया था। चुनावों के मौके पर अगर अशोक चव्हाण जैसे नेताओं को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा नहीं भेजा गया होता, तो हेमंत सोरेन और केजरीवाल की गिरफ्तारी की लोग तारीफ़ करते और कांग्रेस के लिए उनके इन दोनों सहयोगी दलों के मुख्यमंत्रियों का बचाव करना मुश्किल हो जाता। लेकिन आदर्श हाउसिंग सोसायटी जैसे घोटाले में फंसे अशोक चव्हाण जैसे नेताओं को पार्टी में शामिल करके मोदी ने केजरीवाल, सिसोदिया और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया। मनमोहन सिंह सरकार के समय जब लालू यादव को चारा घोटाले में सजा हुई थी, और सजायाफ्ता होने पर उनकी सांसदी जा रही थी, तो उनकी सांसदी बचाने के लिए मनमोहन सरकार ने एक अध्यादेश को मंजूरी दी थी, जिसके कारण उनकी सांसदी बनी रहती। उस अध्यादेश को फाड़ कर राहुल गांधी ने एक संदेश दिया था कि वह स्वच्छ राजनीति चाहते हैं। हालांकि उन का संदेश भी बहुत दिखावटी साबित हुआ, क्योंकि वह उन्हीं लालू यादव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, जो इस समय भी चारा घोटाले में सजा भुगत रहे हैं, और बीमारी के बहाने जेल से बाहर हैं।

जिन राहुल गांधी ने उस समय अध्यादेश फाड़ कर मनमोहन सरकार और उनके मंत्रिमंडल को अध्यादेश वापस लेने को मजबूर किया था, वही अब भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविन्द केजरीवाल जैसों की गिरफ्तारी के खिलाफ क़ानून बनाने का चुनावी वायदा कर रहे हैं। इंडी एलायंस की अब तक दो ही रैलियां हुई हैं, एक केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ, और दूसरी हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ। अगर लोग मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई पर विश्वास कर रहे होते, तो विपक्षी दलों की ऐसी हिम्मत न होती कि वे इन दोनों के पक्ष में रैलियाँ करते।

मनीष सिसोदिया को लगातार जमानत न मिलने और दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी को जायज ठहरा दिए जाने के बाद माना जा रहा था कि कांग्रेस उनके बचाव में आने से परहेज करेगी। लेकिन पी. चिदंबरम ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और हेमंत सोरेन को जमानत नहीं दिए जाने पर अदालतों की आलोचना करके साफ़ कर दिया है कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के चार्जशीटेड नेताओं के साथ मजबूती के साथ खड़ी है।

चिदंबरम ने कहा है कि इंडी एलायंस सत्ता में आया तो सुप्रीमकोर्ट के उस सिद्धांत को कानूनी जामा पहनाया जाएगा कि जमानत नियम है और जेल अपवाद है। जस्टिस कृष्णा अय्यर की यह टिप्पणी हमेशा सिद्धांत के तौर पर पेश की जाती है कि बहुत विकट परिस्थिति में ही किसी को जेल भेजा जाना चाहिए, जब तक दोष साबित न हो किसी को जेल नहीं भेजा जाना चाहिए।

# बाल विवाह पर पूर्णतः लगाम लगाने जिला प्रशासन की कवायद

## बुकिंग लेने से पहले टेंट संचालक देखेंगे दूल्हा-दुल्हन का आयु प्रमाण पत्र

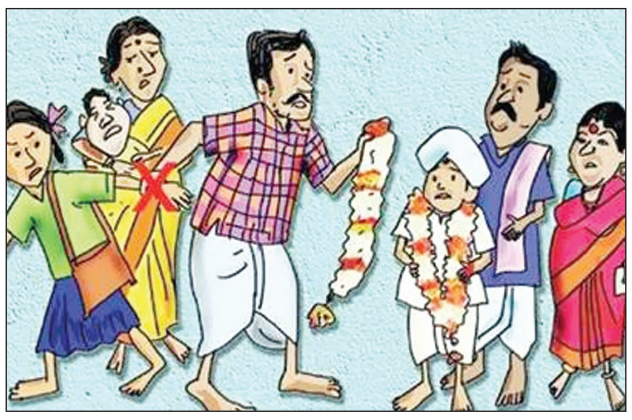

**कोरबा।** इस बार सीमित लग्न होने की वजह से एक ही समय में विवाह आयोजनों की भरमार देखी जा रही है। आयोजनों के भरमार के बीच कई बार नाबालिगों की शादी करा दी जाती है। इसे रोकने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने नई कवायद शुरू की है। जिसके अनुसार विवाह आयोजन को पूरा कराने के काम करने वाले टेंट संचालक, रसोईया, डीजे, बैंड, बारातघर आदि संचालकों को दुल्हा -दुल्हन के आयु प्रमाण पत्र देखने के बाद बुकिंग के लिए अनुमति देनी होगी। बिना आयु प्रमाण पत्र पड़ताल किए बुकिंग किए जाने से नाबालिगों के विवाह में सहयोगी माना जाएगा और संवैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अक्षय तृतीया को वैवाहिक आयोजन के लिए उत्तम माना जाता है। इस बार यह तिथि 10 मई को पड़ रही है। इस अवसर या इससे पहले होने वाली शादियों पर जिला प्रशासन ,महिला एवं बाल विकास विभाग की नजर है । इस दिन बाल विवाह जैसे सामाजिक कुप्रथा एवं कानूनन अपराध पर कड़ाई से रोक लगाने जिला प्रशासन ,महिला एवं बाल विकास विभाग ने वैवाहिक अनुष्ठान को संपन्न कराने वाले धार्मिक सेवा प्रदाता टेंट हाउस, कैटरिंग ,डीजे बैंड बाजा संचालकों को आगाह किया है कि, बिना आयु प्रमाण पत्र का परीक्षण किए वैवाहिक कार्यक्रम में सेवाएं प्रदान न करें। इसकी अनदेखी कर संबंधितों को बाल विवाह में सहभागी मानते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन के उक्त निर्देश के बाद वैवाहिक कार्यक्रमों के सेवा प्रदाता इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर रहे। बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा के साथ ही साथ कानूनन अपराध है। 18 वर्ष के पूर्व लडकी तथा 21 वर्ष के पूर्व लड़के का विवाह करना बाल विवाह की श्रेणी में आता है।ग्रामीण क्षेत्रों में बहुतायत से जनजाति व विशेष पिछड़ी जनजाति पण्डों, बिरहोर, पहाड़ी कोरवा आदि निवास करते है। शिक्षा के अभाव में बाल विवाह के दुष्परिणाम यथा कुपोषण, कम वजन के शिशु पैदा होने, महिलाओं में एनीमिया से पीड़ित होने की संभावना होती है। बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण हेतु प्रत्येक ग्रामों में ग्राम स्तरीय बाल संरक्षण समिति गठित है। जिसके सरपंच अध्यक्ष तथा ग्राम सचिव (सदस्य सचिव), आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन व अन्य गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि आदि सदस्य है। उक्त समिति के सदस्यों व गणमान्य नागरिकों अक्षय तृतीया या अन्य अवसरों पर होने वाले बाल विवाह को प्रभावी तरीके से समय पर रोकथाम व बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सकता है।

साथ ही जिले में बाल विवाह कराए जाने की सूचना प्राप्त हो तो उसकी सूचना अविलंब पर्यवेक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, थाना प्रभारी चैकी प्रभारी, 112 आपातकालीन नम्बर अथवा चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 पर सूचना दी जा सकती है। गौरतलब हो जिले में एक माह के भीतर महिला एवं बाल विकास विभाग ,पुलिस एवं चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम ने पोडी उपरोड़ा एवं चोटिया परियोजना में दो बाल विवाह रोकने में सफलता हासिल की है। बालिकाओं को बालिका वधु बनने से बचाया है। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश ने बताया कि वैवाहिक अनुष्ठान को संपन्न कराने वाले धार्मिक सेवा प्रदाता टेंट हाउस, डीजे बैंड बाजा, संचालकों तथा जन प्रतिनिधियों से आग्रह कि, बिना आयु प्रमाण पत्र के वैवाहिक कार्यक्रम में सेवाएं प्रदान न करें। बाल विवाह पर प्रभावी रोक के लिए सभी अपना सहयोग प्रदान करें, जिससे जिले में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त किया जा सके और जिले में बच्चों के देखरेख व संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके।

# कांग्रेस नेता पर भाजपा ने लगाया आरोप कहा- खाई 5 लाख की बिरयानी

## पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष नवाज खान पर फर्जी नियुक्तियों का आरोप

**राजनांदगांव।** कांग्रेस नेता और पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष नवाज खान पर फर्जी नियुक्तियों और बैंक के पैसे की फिजूलीखर्ची का आरोप भाजपा नेता और वर्तमान जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल ने लगाया है। सचिन बघेल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पूर्व अध्यक्ष ने 5 लाख रुपए बिरयानी और पांच लाख रुपए मिठाई में फिजूल खर्च किए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में तीन लाख रुपए खर्च कर दिए जबकि बैंक अध्यक्ष नियुक्ति के बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम का कोई प्रावधान नहीं है। इसी तरह किसान सम्मेलन के नाम से 15 लाख रुपए, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के सम्मेलन में 15 लाख रुपए, इस प्रकार कुल लगभग 75 लाख रुपए नियमों को दरकिनार कर खर्च कर दिए। नवाज खान ने जिला सहकारी बैंक को अपने कार्यकाल में करोड़ों रुपए खर्च कर बैंक पर अतिरिक्त बोझ डाला। सचिन बघले ने इसके प्रमाणित दस्तावेज प्रेस कांफ्रेंस में प्रस्तुत किए। बता दें कि बीते कई दिनों से मामले की जांच चल रही है लेकिन अभी तक जांच पूरी नहीं हो पाई है।

बता दें कि पूर्व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान की डोंगरगढ़ पुलिस तलाश कर रही है। इस पर पुलिस का कहना है कि छिपा सोसायटी के सहायक प्रबंधक गोवर्धन वर्मा (45 वर्ष) ने बीते 24 मार्च को आत्महत्या कर ली थी। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस जांच कर रही है। जांच में पुलिस ने लगभग 28 लाख रुपए की आर्थिक गड़बड़ी पाई। साथ ही कुछ किसानों को अनियमित लोन भी दिया गया है। इसको लेकर डोंगरगढ़ पुलिस ने तत्कालीन सेवा सहकारी बैंक के अध्यक्ष नवाज खान को नोटिस जारी किया था। इस पर नवाज खान ने कहा कि सुबह 11 बजे आ रहा हूं। लेकिन उसके बाद से नवाज खान का मोबाइल बंद आ रहा है और वो कहीं फरार है। नवाज खान को कथन के लिए थाने बुलाया जा रहा था लेकिन वह थाने नहीं पहुंचे। फिलहाल पुलिस नवाज खान की तलाश कर रही है।

# रास्ता काटे जाने पर अमगांव में नाराज ग्रामीणों ने बंद कराया खदान का काम

**कोरबा।** साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्डिस लिमिटेड (एसईसीएल) की दीपका खदान द्वारा उत्खनन कार्य करने ग्राम अमगांव पहुंच रास्ता काट दिया। जानकारी मिलने पर नाराज ग्रामीणों ने खदान का काम बंद करा दिया।

एसईसीएल की मेगा परियोजना गेवरा व दीपका द्वारा लगातार उत्पादन बढाया जा रहा है। इसके लिए अधिग्रहित की जमीन पर काम किया जा रहा है। पूर्व में अधिग्रहित की ग्राम अमगांव की जमीन में खदान का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रविवार को मिट्टी उत्खनन के दौरान अमगांव पहुंच मार्ग को काट दिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीण खदान के कार्यस्थल पर पहुंच गए और विरोध करते हुए भारी मशीनों को बंद करा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रबंधन द्वारा उनकी समस्या का निदान नहीं किया जा रहा है और खदान का लगातार विस्तार कर रहे हैं। अधिग्रहित की गई जमीन के एवज में न तो रोजगार दिया गया और नहीं बसाहट दिया गया है। स्थिति यह है कि वैकल्पिक रोजगार की भी व्यवस्था नहीं की गई है। गर्मी शुरू हो चुकी है, खदान की वजह से जल स्तर नीचे चला गया। समझौता के मुताबिक एसईसीएल प्रबंधन को टैंकर से पानी उपलब्ध कराना है, पर पानी आपूर्ति भी नहीं की जा रही है।

91 भू- विस्थापितों का 10 साल से रोजगार प्रकरण लंबित पड़ा है। पुराने मकान के एवज में 60 प्रतिशत तथा नए मकान के एवज में 40 प्रतिशत राशि दी जा रही है। विषमता पूर्वक भुगतान किए जाने की नीति बनाई जा रही है. जबकि शत प्रतिशत मुआवजा राशि प्रदान किया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनकी समस्या का निदान नहीं किया जाता है, तब तक अमगांव के जमीन में उत्खनन कार्य नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जमीन का अधिग्रहण गेवरा प्रबंधन द्वारा किया गया है और उत्खनन कार्य दीपका परियोजना द्वारा किया जा रहा है। काम बंद कराने की जानकारी मिलते ही एसईसीएल के अधिकारी स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा किए, पर ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। इससे खदान का काम आरंभ नहीं हो सका।

# कटघोरा क्षेत्र में ज्योत्सना का सघन जनसंपर्क

## सबको 25 लाख तक का ईलाज, मजदूरों को जीवन बीमा का लाभ देगी कांग्रेस सरकार

**कोरबा।** कोरबा लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी व सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कनबेरी, बाता, सरईसिंगार, भिलाईबाजार आदि ग्राम पंचायतों व ग्रामों का सघन दौरा कर जनसंपर्क किया। ज्योत्सना महंत ने इस दौरान कहा कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार चुनकर लाना है जो गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और युवाओं के लिए न्याय करेगी।

उन्होंने कहा कि मनरेगा के मजदूरों को दोगुनी मजदूरी देने के साथ उनका बीमा भी किया जाएगा ताकि परिवार को भी राहत मिल सके। सांसद ने कहा कि देश भर में कांग्रेस सरकार 25 लाख रुपए तक का ईलाज निरूशुल्क कराने की सुविधा देगी जो वर्तमान में मात्र 5 लाख रुपए तक है। गरीब परिवार की महिला को साल का एक लाख रुपए सम्मानजनक राशि दी जाएगी। किसानों का कर्ज माफ करने से उनके जीवन में खुशहाली आएगी और कृषि सामग्रियों की खरीदी में लगने वाला टैक्स भी कांग्रेस माफ करेगी। सांसद ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार देंगे, रसोई गैस सस्ती होगी। गांवों में पहुंचने पर ज्योत्सना महंत का स्वागत परंपरागत व करमा नर्तक दलों द्वारा किया गया।

जनसंपर्क के दौरान प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि हरीश परसाई, पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर, जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, प्रभा सिंह तंवर, सम्मेलाल कश्यप, पदुम सिंह कंवर, फूलचंद कश्यप, शिव सिंह कंवर, महेश अग्रवाल, प्रदीप जायसवाल, अनिता राठौर, गैतराम पाटले, कृष्ण सिंह राजपूत, गजेन्द्र साहू, शुकवारा महंत, शत्रुघन सिंह कंवर सहित अक्षांत कुमार, उत्तरा कुमार, भार सिंह, रामदास, सूर्यउदयभवन सिंह, शिव प्रताप सिंह, प्रमिला महंत, मधु सोनी, संतोषी महंत, अभिषेक, शिव, कुलदीप सिंह राठौर, साहिल, शिखा कंवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

# मोबाइल में रिकार्डिंग कर दिया पत्नी को तीन तलाक

**कोरबा।** मोबाइल पर तीन तलाक की रिकार्डिंग कर पत्नी को भेज कर तलाक दे दिए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना की शिकायत पीड़िता ने पुलिस से की है। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफमामला पंजीबद्ध कर लिया है। सीएसईबी पुलिस चैकी अंतर्गत काशीनगर में निवासरत एक युवती का निकाह 17 अप्रैल 2013 को कटक ओडिशा मोहम्मदपुर निवासी सैय्यद अफ्जल बारी के साथ कोरबा में हुआ था। निकाह के बाद युवती अपने पति के घर कटक ओड़िसा मोहम्मदपुर चली गई थी। युवती का कहना है कि निकाह के पहले से ही अफ्जल बारी शराब पीता था, इसकी जानकारी पीड़िता या उसके परिवार को नहीं थी। ससुराल पहुंचने पर पीड़िता को अफ्जल प्रताड़ित कर शराब के नशे में उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट भी करता था। इससे तंग होकर उसने विरोध किया, तो उसने फोन पर रिकार्डिंग भेजकर पत्नी को तीन तलाक दे दिया। इसके साथ ही दबाव डालकर ससुराल से बाहर निकाल दिया। इस पर वह अपने पति के परिचित व्यक्ति के घर ओड़िशा के चटरा चली गई। कुछ दिन तक वहां रही, विवाद सुलझाने के लिए दोनों परिवारों के बीच सामाजिक बैठकें भी हुई। इसमें अफ्जल ने पत्नी को आश्वासन दिया कि अभी वह अपने मायके चली जाए, तीन माह बाद वह उसे वापस घर ले आएगा, पर अफ्जल अपनी पत्नी को लेने कोरबा नहीं आया। अफ्जल ने मई 2023 में ही पत्नी को तलाक दे दिया था।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

## नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आए युवक

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबल के जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों द्वारा प्लांट की गई आईईडी की चपेट में आने से एक ग्रामीण युवक की मौत हो गई है। इस खबर से युवक के घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र के ग्राम मूतवेंडी पटेलपारा निवासी युवक गड़िया (उम्र 18) पिता लिंगा मुतवेंडी से तीन किमी दक्षिण पूर्व की ओर वनोपज संग्रहण के लिए गया हुआ था। रास्ते में वह नक्सलियों के द्वारा लगाये गये आईईडी की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक कुछ समय पहले भी नैमेड थाना क्षेत्र के ग्राम कचिलवार का एक ग्रामीण अंदरूनी रास्ते से पैदल अपने गांव आते समय इतावर क्षेत्र में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आकर बुरी तरह घायल हो गया था।

## कवर्धा-जबलपुर हाईवे मे दो ट्रकों की जोरदार भिड़ंत

**कबीरधाम।** सोमवार की सुबह कबीरधाम जिले में सड़क हादसे में एक की मौत व एक घायल हो गया है। यह हादसा कबीरधाम जिले के बोड़ला थाना क्षेत्र अंतर्गत चिल्फी-जबलपुर नेशनल हाईवे में हुआ है। थाना से मिली जानकारी अनुसार सुबह करीब 6 बजे दो ट्रक आपस में आमने सामने भिड़ गए। ग्वालियर से रायपुर की ओर आ रहे ट्रक, जिसमें शिमला मिर्च भरा हुआ था और रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहे ट्रक जिसमें टावर का समान रखा हुआ था। दोनों ट्रक आपस में भिड़ गए। घटना के बाद आसपास से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। यह हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रक आपस में चिपक गए थे। जेसीबी के माध्यम से आपस में भिड़े ट्रकों को अलग किया गया। इसके बाद घायल को बोड़ला के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर है। वहीं हादसे में मृतक वाहन चालक के शव को बोड़ला में रखा गया है। फिलहाल घायल व मृतक के नाम सामने नहीं आ सका है। इस मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

## बिजली पोल लगाने के लिए तार खींचते समय हादसा

**जगदलपुर।** जगदलपुर में दरभा थाना क्षेत्र के ग्राम लेंड्रा में नए बिजली पोल लगाने का काम कराया जा रहा है, जिसके लिए मजदूरों को बुलाया गया था। काम करने के दौरान हुए हादसे में दो मजदूरों को करंट लगने पर उन्हें शरीर में चोट आई। जिसके बाद काम कर रहे अन्य साथियों ने उन्हें उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया। मजदूरों के साथ हुए हादसे के बारे में साथ आये ठेकेदारों ने बात करने से मना कर दिया। जिसकी वजह से घटना में हुई लापरवाही उजागर ना हो सके, फिलहाल अन्य मजदूरों ने जानकारी बताई है, जिससे कि काम के दौरान एक बड़ा हादसा भी होने की संभावना जताई जा रही है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए घायलों के साथ आये मजदूरों ने बताया कि सोमवार की सुबह 9 मजदूरों से अधिक लोग बिजली पोल लगाने का काम लेंड्रा में कर रहे थे, इस दौरान पुराने बिजली के तार को हटा कर नए तार बिछाने के साथ ही नए पोल लगाया जा रहा था। 2 दिन से बस्तर में अति बारिश होने के कारण जगह जगह बारिश का ठहराव भी हो गया था।

## तालाब में नहाने के दौरान गांव का पुजारी डूबा

**जगदलपुर।** परपा थाना क्षेत्र के ग्राम कुरेंगा में सोमवार की सुबह तालाब में नहाने के दौरान गांव का पुजारी डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुजारी के मौत की खबर लगते ही परिजनों के साथ ही गांव के लोग तालाब के पास जमा हो गए। जहां शव को पीएम के लिए मेकाज भेजा गया। इस घटना के बाद से गांव में शोक की लहर छा गई। मामले के बारे में जानकारी देते हुए मृतक के भतीजे रूपेंद्र बघेल ने बताया कि गांव में स्थित शीतला मंदिर में कई वर्षों से पुजारी के रूप में काम कर रहे सदा बघेल पिता स्व. पाकलु 35 वर्ष सोमवार की सुबह छह बजे घर से करीब 600 मीटर की दूरी में स्थित सोनामुण्डा तालाब में नहाने के लिए गया हुआ था। अचानक से नहाने के दौरान गहरे पानी में चला गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बारे में किसी को भी जानकारी नही थी। वहीं मृतक का भतीजा तालाब में हाथ पैर धोने के लिए गया हुआ था। जहां एक आदमी को डूबा देख पानी में छलांग लगा दी। जहां शव को बाहर निकालने के बाद भतीजे ने सभी को मामले के बारे में जानकारी दी।

## भाटापारा के व्यापारी से मिला 7.50 लाख रुपए कैश

**भाटापारा।** प्री-इलेक्शन के मददेनजर सोमवार को मंडल सुरक्षा आयुक्त रायपुर के मार्गदर्शन में मंदिरहसौद टास्क टीम की प्रभारी तरुणा साहू, सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र और प्रधान आरक्षक बी एल यादव द्वारा गाड़ी संख्या 22815 एर्नाकुलम एक्सप्रेस से आये यात्रियों को प्लेटफॉर्म 1 में जांच के दौरान बाहर जाते हुए एक व्यक्ति को सीढ़ी के पास रोका गया नाम पता पूछने पर महेश पंजवानी पिता भोजमल पंजवानी उम्र 45वर्ष निवासी महाशक्ति वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा जिला बलौदा बाजार (छत्तीसगढ़) बताया उसके पास रखे काले रंग बैग के बारे में पूछने पर बैग में कैश होना बताया और कैश रू. 750000 (सात लाख पचास हज़ार) होना बताया। उक्त कैश ले जाने के संबंध में कागजात की मांग करने पर मौके पर कोई वैद्य कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। उक्त जानकारी अविलंब वरिष्ठ अधिकारियों को देते हुये उक्त व्यक्ति को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट रायपुर लाया गया जहां रायपुर उत्तर क्षेत्र के उडनदस्ता के कार्यपालक मजिस्ट्रेट दीप्ति तिवारी को जानकारी दी गई।

# राजनांदगांव के रण में छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी लड़ाई

**राजनांदगांव।** छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट के लिए दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को वोटिंग है। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में सुरक्षित और निष्पक्ष मतदान कराने के लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां पूरी कर ली है। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनाती की गई है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने शत प्रतिशत मतदान के लिए इस सीट पर कई कैंपेन चलाए। अब मतदाता की बारी है।

राजनांदगांव लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में शुक्रवार 26 अप्रैल को मतदान है। मतदान से 48 घंटे पहले बुधवार 24 अप्रैल की शाम पांच बजे चुनावी शोर थम जाएगा।

राजनांदगांव लोकसभा सीट पर बीजेपी ने संतोश पांडे को प्रत्याशी बनाया है। राजनांदगांव लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद संतोश पांडे को बीजेपी ने दोबारा मौका दिया है। जबकि कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चुनावी मैदान में उतारा है। चुनाव में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में दोनों दिग्गज नेता लगातार चुनाव प्रचार में जुटे रहे। चार जून को नतीजे के साथ इस सीट पर जनता के फैसले का पता चल जाएगा।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र का आधा हिस्सा नक्सल प्रभावित है। यहां नक्सलियों की मौजूदगी हमेशा तो नहीं रही, लेकिन मोहला मानपुर और महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों में कभी कभी नक्सलियों की मौजूदगी रहती है। यही वजह है कि राजनांदगांव लोकसभा सीट के संवेदनशील क्षेत्रों में विकास शहरों के मुकाबले काफी कम ही पहुंच सका है। हालांकि समय के साथ कई क्षेत्रों में विकास कार्य किये जा रहे हैं। इस क्षेत्र में पेयजल, पक्की सड़क, बिजली और शिक्षा समेत मूलभूत सुविधाओं को लेकर जनता मतदान करती है।

साल 1999 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी डॉ रमन सिंह ने जीत दर्ज की थी। उन्हें कुल 3,04,611 वोट मिले थे। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 10,16,713 थी। साल 2004 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी प्रदीप गांधी ने जीत दर्ज की। उन्हें कुल 2,74,294 वोट मिले थे। इस बार कुल मतदाताओं की संख्या 11,21,618 थी। साल 2009 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी मधुसूदन यादव ने 3,41,131 वोटों से जीत हासिल की। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 12,96,734 थी। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव सीट पर फिर बीजेपी प्रत्याशी अभिषेक सिंह ने 4,65,215 वोटों से जीत हासिल की। तब यहां कुल मतदाताओं की संख्या 14,48,375 थी। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव लोकसभा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी संतोष पांडे ने 5,46,233 वोटों से जीत हासिल किया। 2019 में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 15,58,952 थी।

# प्रबंधन की लापरवाही से मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का नहीं मिल रहा लाभ

**कोरबा।** गर्मी अपने पूरे शबाब पर आ चुकी है ऐसे में बढ़ते गर्मी ने लोगों की बेचैनी बढ़ा कर रख दी है। जहां लोग इस गर्मी में बचने के लिए एसी कूलर की सहारा ले रहे हैं सरकार भले ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर है, मगर पाली में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रबंधन की लापरवाही से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

इस विकासखंड क्षेत्र के लोग उचित स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आज भी सीमावर्ती जिला बिलासपुर पर निर्भर है। पाली का स्वास्थ्य केंद्र जरूरी दवाइयां व चिकित्सकों के अभाव में सिर्फटीकाकरण केंद्र और गरीब गर्भवती महिलाओं का प्रसव कराने का माध्यम मात्र बन कर रह गया है। इसके अतिरिक्त दुर्घटना में घायल अथवा गंभीर मरीजों को बिलासपुर रेफर कर दिया जाता है। वर्तमान में भीषण गर्मी का दौर चल रहा, लेकिन अस्पताल प्रबंधक की लापरवाही से इस गर्मी में यहां भर्ती मरीजों का हाल बेहाल हो चुका है। अस्पताल में कई पंखे बंद है, कूलर तो चल रहे लेकिन उनमें पानी नही होने के कारण गर्म हवाओं के थपेड़ों और उमस से मरीज जूझ रहे है। ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर तो है पर काफी समय से उसमे से ठंडा पानी उगलना छोड़ दिया है। वार्डों में बदबू का अंबार है और साफ- सफाई व पोंछा कार्य मे फिनायल का उपयोग नही करने से मरीज व उनके परिजन अस्पताल के दुर्गंध को सहने मजबूर है। महिला, पुरूष शौचालय में न ही अच्छे से पानी आ रहा न ही हाथ धोने के लिए साबुन रखे हुए है।

## संक्षिप्त समाचार

### सुमीत ज्वेलर्स में डायमंड शॉपिंग फेस्टिवल 30 तक

**रायपुर।** सुमीत ज्वैलर्स अपने ग्राहकों के लिए एक बार फिर से धमाकेदार ऑफर लेकर आया है, यहां डायमंड शॉपिंग फेस्टिवल 11 से शुरू हो चुका है और 30 अप्रैल तक आयोजित है। इस फेस्टिवल में शानदार वेरायटी और डिजाइन्स उपलब्ध है। हीरों की शॉपिंग करने का सुनहरा अवसर सुमीत ग्रुप दे रहा है। खास बात यह है कि यहां से एक लाख रूपए की शॉपिंग पर एक गोल्ड क्वाइन फ्री दी जा रही है। सुमीत ज्वेलर्स के संचालक अंकित कांकरिया ने बताया कि डायमंड ज्वेलरी को लेकर लोगों में अब आकर्षण बढ़ा है और वे इसकी वेरायटी की मांग कर रहे हैं। नई रेंज और आकर्षक डिजाइन्स अपने ग्राहकों के लिए हम लेकर आए हैं। वैवाहिकी सीजन के लिए अब कई तरह की वेरायटी का संग्रह यहां उपलब्ध कराया जा रहा है। डायमंड के कलेक्शन में रिंग्स, टॉप्स, बैंगल्स, सेट्स और ब्रास भी शामिल है। इनके अलावा स्टोन के साथ स्टैंडर्ड ज्वेलरी भी खासतौर पर तैयार की गई है, जो यकीनन महिलाओं को पसंद आएगी। यह अपनों को गिफ्ट देने के लिए भी एक शानदार अवसर हो सकता है। ग्राहकों की खास पसंद गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी होती है, इसी बात को ध्यान में रखकर सुमीत ज्वेलर्स ने भी अपनी विशेष तैयारी की है और नवीनतम आभूषणों की एक वृहद रेंज लेकर आए हैं।

### सोनमणि बोरा बनाए गए आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव

**रायपुर।** केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटते ही राज्य सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग से अनुमति लेकर प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को आदिम जाति कल्याण विभाग का प्रमुख सचिव नियुक्त किया है। अब तक नरेंद्र दुग्गा सचिव के रूप में जिम्मेदारी सम्हाल रहे थे।

### चुनाव प्रशिक्षण के दौरान मधुमक्खियों ने कर्मचारियों पर किया हमला

**भानुप्रतापपुर।** कांकेर जिले में चुनाव प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मधुमक्खी के हमले से 20 अधिक कर्मचारी घायल हो गए हैं। घायलों में 6 कर्मचारियों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज जारी है। वहीं मधुमक्खियों के हमले में घायल हुए कर्मचारियों से मिलने भानुप्रतापपुर एसडीएम अस्पताल पहुंचीं। मिली जानकारी के अनुसार, भानुप्रतापपुर के सेंट जोसेफ स्कूल में लोकसभा चुनाव के लिए लगभग 400 कर्मचारी प्रशिक्षण ले रहे थे। इस दौरान कर्मचारियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से 20 से अधिक कर्मचारी घायल हुए हैं। 6 गंभीर रूप से घायलों कर्मचारियों को भानुप्रतापपुर अस्पताल में भर्ती किया गया। सभी का ईलाज जारी है। वहीं अन्य को प्राथमिक उपचार कर बाद छोड़ा गया। वहीं स्कूल में अंक सूची लेने गई छात्रा पर भी मधुमक्खियों ने हमला किया है।

### सीएम हाउस के आसपास के रहवासी आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान

**रायपुर।** राजधानी में मुख्यमंत्री निवास के आसपास का इलाका सिविल लाइंस के रहवासी आवारा कुत्तों के आतंक से खासे परेशान हैं। सिविल लाइंस रेसीडेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय शुक्ला ने बताया कि कई बार निगम के दफ्तर में शिकायत कर चुके हैं लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। 30-40 आवारा कुत्तों ने एक प्रकार से यहां डेरा जमा लिया है। बच्चे बुजुर्ग कोई भी घर से निकलने या घूमने में डरते हैं। कई बार ये हमला भी कर चुके हैं। निगम के जोन दफ्तर में कई बार शिकायत कर चुके हैं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जब सीएम हाउस के इलाके को लेकर भी निगम का अमला इतना निष्क्रिय हैं तो बाकी जगह का क्या हाल हो सकता है अंदाजा लगा सकते हैं। रहवासियों की ओर से एक पत्र निगम आयुक्त को देकर श्री शुक्ला ने कहा है कि यदि जल्द ही इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो मजबूरन यहां के निवासी भूख हड़ताल पर बैठने बाध्य होंगे। इस पत्र की प्रति मुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी व जिलाधीश रायपुर को भी भेजा गया है।

# गृहमंत्री अमित शाह की नक्सलियों को चेतावनी आत्मसमर्पण करें नहीं तो लड़ाई का परिणाम तय

**कांकेर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को चेतावनी दी कि वे आत्मसमर्पण कर दें नहीं तो लड़ाई का परिणाम तय है और दो वर्ष में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। शाह नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में एक मुठभेड़ के दौरान 29 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, पिछले 10 वर्षों के दौरान नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को समाप्त किया। मोदी जी ने इस देश से नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर ला दिया।

उन्होंने कहा, पांच वर्ष तक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में नक्सलियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। विष्णु देव साय के मुख्यमंत्री और विजय शर्मा के गृह मंत्री बनने के बाद पिछले चार माह में सुरक्षाबलों ने 90 से ज्यादा नक्सलवादियों को मार गिराया। इसके साथ ही 123 नकस्लियों को गिरफ्तार किया गया और 250 ने आत्मसमर्पण कर दिया। शाह ने कहा, मोदी जी ने देश भर से नक्सलवाद को समाप्त किया चाहे वह आंध्रप्रदेश हो, तेलंगाना हो, बिहार बिहार हो, झारखंड हो या मध्य प्रदेश हो। मैं कहकर जाता हूं कि मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बना दीजिए और दो साल दे दीजिए। छत्तीसगढ़ से हम नक्सलवाद को उखाड़ फेंकेंगे।

गृह मंत्री ने कहा, जब तक नक्सलवाद है तब तक आदिवासी भाई बहनों के लिए बिजली, स्कूल, राशन की दुकान देने में परेशानी हो रही है। जो भी नक्सली बचे हैं उनको कहता हूं कि सरेंडर हो जाओ, आपको फिर से प्रतिस्थापित करेंगे नहीं तो लड़ाई का परिणाम तय है। नक्सलवाद को हम समाप्त कर देंगे। शाह ने सभा में मौजूद जनता से अनुरोध किया कि वे नक्सलियों कोआत्मसमर्पण करने के लिए समझाएं। उन्होंने कहा, मैं आदिवासी भाइयों और बहनों से कह रहा हूं कि जब तक नक्सलवाद है आदिवासी क्षेत्र में शांति नहीं हो सकती, रोड नहीं बन सकता, बिजली नहीं पहुंच सकती, गैस कनेक्शन नहीं आ सकता, शिक्षा नहीं पहुंच सकती, नौकरी नहीं पहुंच सकती और इलाज नहीं पहुंच सकता है। शाह ने कहा कि आप सभी लोग उनको समझाइए सरेंडर कर जाएं, ना करें तो आप चिंता मत करना, हम दो ही साल में छत्तीसगढ़ की भूमि से नक्सलवाद को उखाड़ कर फेंक देंगे और यहां विकास की गंगा प्रवाहित करेंगे। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने 2037 में विकसित भारत की कल्पना रखी है। विकसित भारत का सबसे बड़ा फायदा आदिवासी, दलित, किसान, युवा, गरीब और महिलाओं को होने वाला है। विकसित भारत की कल्पना आप सभी के कल्याण के लिए है। शाह ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है लेकिन हम (भाजपा) कहते हैं कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का है।

गृहमंत्री ने कहा नरेन्द्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनके पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड और 25 साल का एजेंडा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने वोट बैंक के लिए अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक में शामिल नहीं हुई। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोला और कहा कि राहुल बाबा की चार पीढ़ी (उनके परिवार की) सत्ता में थी लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ के गरीबों के लिए क्या किया। शाह ने लोगों से कांकेर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार भोजराज नाग को वोट देने का आग्रह किया। कांकेर सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

**कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री को गाली दी गई**

# कांग्रेस देश व साहू समाज से माफी मांगे : ममता

**रायपुर।** कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कन्हैया कुमार जब बिलासपुर में मीडिया से चर्चा कर रहे थे उसी दौरान उनकी मौजूदगी में कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दी गई, यह बहुत ही निंदनीय और शर्मनाक है। कांग्रेस ने सिर्फ नरेन्द्र मोदी का ही नहीं बल्कि भारतवर्ष में निवास करने वाले साहू, गुप्ता, राठौर, तेली, घांची इत्यादि उपनामों लगभग 14 करोड़ लोगों का अपमान किया है। कांग्रेस पार्टी व उनके कार्यकर्ता देश व साहू समाज से माफी मांगे नहीं तो कानूनी कार्यवाही किया जाएगा। उक्त बातें अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ ममता साहू ने कहीं।

उन्होंने कहा कि जब नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम थे तो सोनिया गांधी ने मोदी को मौत का सौदागर तक कहा था, कभी चौकीदार चोर है कहा, कभी किसी सरनेम को लेकर कहा कि मोदी जाति के लोग चोर होते हैं और इस तरह समाज विशेष का अपमान लगातार कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है जो की निंदनीय है। कांग्रेस हमेशा से मोदी को झूठे केस-मुकदमे में फंसाने की साजिश करती रही है। वे कांग्रेस पार्टी और उनके शहजादे से मांग करते हैं कि साहू समाज को अपशब्द कहने पर देश व समाज से हर हाल में माफी मांगें और गाली देने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर उन्हें दंड दिलवाया जाएगा।

# मोदी आज जांजगीर चांपा और धमतरी में करेंगे प्रचार

**रायपुर।** लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। अपने दो दिवसीय दौरे में पीएम मोदी 23 अप्रैल को जांजगीर चांपा और धमतरी में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। पीएम मोदी रात में रायपुर भी आयेंगे और राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 24 अप्रैल को पीएम मोदी अंबिकापुर के लिए रवाना होंगे और बीजेपी की रैली में शिरकत करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर के पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी है। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, काली माता मंदिर तिराहा से राजभवन तक की ओर जाने वाली सड़क पर आवागमन बाधित हो सकता है। खजाना चौक से राजभवन, पुराना पीएचक्यू तिराहा से राज भवन और बिजली ऑफिस तिराहा से राजभवन के साथ ही बंजारी चौक से राजभवन तक जाने वाले सभी रास्तों पर भी आवागमन बाधित रह सकती है।

पीएम मोदी के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर के बीजेपी तैयारी में जुट गई है। धमतरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली करने वाले हैं। पीएम मोदी की यह रैली काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे पहले 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धमतरी चुनाव प्रचार करने आए थे। उसके बाद यह उनका दूसरा धमतरी दौरा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री की रैली को लेकर प्रशासन भी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है।

23 अप्रैल को राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में रात्रि विश्राम के बाद 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबिकापुर के लिए रवाना होंगे। सुबह 10 बजे अंबिकापुर में पीएम मोदी की चुनावी रैली होनी है। इसकी तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में लगभग 1 लाख लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

# प्रदेश में घटने लगा पानी का स्तर, बड़े बांधों का जलस्तर पखवाड़ेभर में 10 फीसदी गिरा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में गर्मी बढ़ने से जल संकट गहराने लगी है। पीने के पानी की बात करें तो 15 दिन से पहले इसकी संकट शुरू हो गई है, लेकिन अब जलाशय भी सूखने लगे हैं, जो आगे जल संकट के रूप में खड़ा हो सकता है।

भीषण गर्मी के बढ़ते प्रकोप के साथ-साथ प्रदेश के बड़े बांधों में जल भंडारण में लगातार गिरावट ने चिंता बढ़ा दी है। बीते लगभग 22-25 दिनों में बड़े जलाशयों का जल भंडारण 2 से 10 फीसदी तक कम हो गया है। इस गिरावट को देखते हुए आगामी मई माह में संकट गहराने की आशंका और बढ़ गई है। बीते दो सालों की तुलना में इस बार बड़े बांधों में जल भंडारण सबसे कम स्तर पर आ गया है। जैसे-जैसे पारा बढ़ रहा है गर्मी का कहर दिखने लगा है, वैसे-वैसे बांधों का पानी कम हो रहा है।

अगर हम मार्च से देखें तो आंकड़ा और चिंताजनक है। 26 मार्च के बाद अब तक इस स्थिति में ही अधिकतम 5-13 फीसदी तक का भंडारण कम हो गया है। ऐसे में जल संसाधन विभाग के सामने पेयजल स्टॉक सुरक्षित रखने के साथ अनुबंध मुताबिक उद्योग को जल आपूर्ति करने की भी बड़ी चुनौती है।

एक नज़र यदि हम आंकड़ों पर डालते हैं तो तांदुल, मिनीमाता बांगो और अरपा भैंसाझार सहित अन्य कई बांधों में जलस्तर में भारी गिरावट दिख रही है। अरप भैंसाझार में तो 18 फीसदी तक गिरावट आ गई है। इसी तरह मुरूम सिल्ली बांध में भी 16 फीसदी तक कमी आई है। इसके साथ ही अन्य भागों में 10-14त्न तक की कमी दर्ज की गई है।

जल संसाधन विभाग के मुताबिक, सभी जरूरतों को पूर्ति करने के बाद निस्तारी के लिए लगभग 35 दिनों का ही पानी बचाने का संकेत दिया गया है। यदि इस बार मानसून समय पर नहीं आया और अच्छी बारिश नहीं होने की स्थिति में खरीफ फसल के लिए पानी का दबाव बढ़ेगा।

# हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन आज

**रायपुर।** सर्वधर्म संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष राजकुमार राठी, सरंक्षक कमलेश तिवारी, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंघानिया ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 23 अप्रैल मंगलवार को रेल्वे स्टेशन परिसर स्थिति हनुमान मंदिर में भव्य हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें बजरंग बली का अभिषेक व श्रृंगार कर दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया है। समारोह में रायपुर के सांसद सुनील सोनी, भावी सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंत्री मंडल के समस्त केबिनेट मंत्री विधायक एवं श्रद्धालु 8 से 10 हजार की संख्या में शामिल होंगे। दोपहर 1 बजे महाप्रसादी का वितरण होगा। स्टेशन परिसर में विशाल आयोजन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पार्किंग आदि की व्यवस्था की गई है। शाम को मंदिर में आकर्षक सज्जा, लाईटिंग आदि की व्यवस्था की गई है। राठी के अनुसार रायपुर आने वाले एवं यहां से अन्य स्थान की प्रस्थान करने वाले यात्रियों को भी महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

### महेश सभा हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन करेगी आज

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में महेश सभा रायपुर द्वारा 23 अप्रैल मंगलवार को सुबह 8.30 बजे श्री सालासर हनुमान जी की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा पंडरी स्थित बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर मण्डी गेट लोथीपारा चौक से होते हुए वापस मोवा स्थित महेश भूमि छत्तीसगढ़ हॉस्पिटल के पास के समाप्त होगी उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में सभा के अध्यक्ष सुशील लाहोटी सचिव प्रकाश भट्टर, संयोजक पवन मोहता, सुरेश मोहता एवं अन्य संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में लाहोटी ने बताया कि शोभायात्रा के साथ चलित झांकी भव्य दरबार लाईटिंग आकर्षक साज-सज्जा एवं सुंदरकाण्ड का पाठ शाम 5 से 7 बजे के मध्य किया जाएगा। श्री हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक जयशंकर चौधरी द्वारा सायं 7.30 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया है।

# द्रोणिका की वजह से छत्तीसगढ़ का मौसम हुआ सुहाना

**रायपुर।** राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के दूसरे जिलों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री से 44 डिग्री तक पहुंच गया है। लोग गर्म हवाओं के थपेड़ों से परेशान हैं। दोपहर के समय लू चलने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। इस बीच प्रदेश के लिए राहत वाली खबर है कि द्रोणिका के प्रभाव से तीन दिनों तक छत्तीसगढ़ के कई जगहों पर बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी तटीय क्षेत्र में बने द्रोणिका की वजह से ऐसी स्थिति बनी है। प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों में 22 अप्रैल से 15 जून तक छुट्टी दे दी गई है। वैसे तो समर वेकेशन 1 मई से 15 जून तक रहता है। लेकिन अचानक प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री से 44 डिग्री तक पहुंचने की वजह से स्कूलों में गर्मी की छुट्टी घोषित कर दिया गया है। हालांकि, बीते तीन दोनों तक मौसम बदलने और बारिश की वजह से प्रदेश के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है। रायपुर मौसम विभाग के वैज्ञानिक अगापित एक्का ने बताया, दक्षिण छत्तीसगढ़ से लेकर तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और रॉयलसीमा होते हुए दक्षिण तमिलनाडु तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके प्रभाव से तीन दिनों के दौरान प्रदेश के कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर की रफ्तार से अंधड़ चल सकती है। प्रदेश के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है।

# नक्सलियों के खात्मे के लिए पहले कांग्रेस का करना होगा खात्मा : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ समेत देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को लेकर अभूतपूर्व उत्साह है। मैं लगातार छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीट का दौरा कर रहा हूं। शहर से लेकर दूरस्थ अंचल तक पीएम मोदी और उनकी अगुआई में चल रही डबल इंजन की सरकार को लोग अपना स्नेह और आशीर्वाद दे रहे हैं। ये कहना है प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जो एक साक्षात्कार में हुए प्रश्नों का जवाब दिए। सीएम साय ने कहा कि मतदाता इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट करके विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहते हैं। हमारे पास विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लेकर आई हैं। हम छत्तीसगढ़ में सभी 11 लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के अबकी बार 400 पार के नारे को सफल बनाएंगे।

भूपेश बघेल और कांग्रेस की ओर से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हो रही मुठभेड़ को फर्जी कहने पर मुख्यंत्री साय ने इसे कांग्रेस का चरित्र बताया। उन्होंने कहा कि नक्सल समस्या को लेकर कांग्रेस का हमेशा दोहरा चरित्र रहा है और उन्हें लगता है कि नक्सल समस्या के खात्मे के लिए पहले कांग्रेस को खत्म करना होगा। वो बोले हमारे वीर जवानों ने 16 अप्रैल को कांकेर के छोटेबेठिया क्षेत्रांतर्गत बिनागुंडा और कोरोनार के मध्य हापाटोला के जंगल में मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया गया है। यह छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान को मिली अब तक की सबसे बड़ी ऐतिहासिक सफलताओं में एक है। हमारे जवानों के इस पराक्रम पर गर्व की जगह कांग्रेस एनकाउंटर पर सवाल उठा रही है। नक्सलियों को शहीद बताने वाली कांग्रेस के हाथ नक्सलवाद के खून में रंगे हैं। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, नक्सलवाद में कमी आई है। राज्य के एक छोटे से हिस्से में सिमटे नक्सलवाद को हम जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीएम साय ने कहा कि हम एक ओर जहां नीयद नेल्लानार जैसी योजनाओं की बदौलत विकास और सुशासन से नक्सलवाद को परास्त कर रहे हैं। वहीं हमारे जिला पुलिस और अर्धसैनिक बलों को नक्सलियों को उनकी भाषा में भी जवाब देना आता है जो वो दे रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं एक बार फिर दुहराना चाहता हूं कि ' हिंसा का रास्ता ठीक नहीं है, नक्सलियों को विकास की मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए। स्थानीय लोग विकास और तरक्की चाहते हैं।'

नक्सलवाद के खात्मे के लिए कांग्रेस को समाप्त करने की बात पर सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से नक्सलवाद की पोषक रही है। नक्सलवाद के जरिए वह वोटों की खेती करना चाहती है। जनता अब कांग्रेस की मंशा को समझ चुकी है। राजनीति में हर व्यक्ति और दल को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन संवैधानिक मूल्यों के विपरीत चलने वालों का समर्थन लेना और देना, यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। आपातकाल की जनक कांग्रेस का वैसे भी लोकतंत्र पर भरोसा नहीं रहा है। नक्सलियों और आतंकवादियों को सम्मानजनक शब्दों से अलंकृत करने वालों को जनता स्वयं जड़ से उखाड़ फेंकेगी।

नया मतांतरण निषेध कानून लाने की बात पर विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मतांतरण किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कथित समाज सेवा के नाम पर भोले-भाले आदिवासियों की सांस्कृतिक अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वालों पर कानून सख्ती से अपना काम करेगा। प्रलोभन देकर या जबरन मतांततरण करने वाले कानून की कमियों का फायदा उठाकर ऐसा करने की सोच भी न सकें, इसलिए हम और भी सख्त कानून बनाने जा रहे हैं। कानून को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगले विधानसभा सत्र में इसे पेश किया जाएगा। इस कानून में मतांतरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हर हथकड़ों पर कार्रवाई करने का अधिकार पुलिस एवं प्रशासन को रहेगा।

सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस के लिए आदिवासी वोट बैंक हो सकते हैं, भाजपा के लिए वह परिवार हैं। आदिवासियों के विकास को लेकर यदि कोई दल प्रतिबद्ध है तो वह भारतीय जनता पार्टी है। केंद्र में आदिवासियों के लिए अलग मंत्रालय बनाने की बात हो या आदिवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ का गठन, बीजेपी ने ही इसे साकार किया है। देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति पीएम मोदी की दूरदृष्टि से मिली हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासियों के बीच से निकले उनके परिवार के सदस्य को प्रदेश को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया। केंद्र सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा जी जन्मजयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता दी। सिर्फ चार महीने के भीतर छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के कल्याण को लेकर हमने कई योजनाएं संचालित की हैं। हरा सोना कहे जाने वाले तेंदुपत्ता पर संग्राहकों को 5500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण दर प्रदान की जा रही है। हम गोंड़ी और हल्बी जैसी भाषाओं के अनुवाद के लिए आदिमजाति भाषा परिषद का गठन करने जा रहे हैं। सौ से अधिक वनोपज की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित की जा रही है। एक तरफ हमारी सरकार आदिवासियों के उत्थान पर जोर दे रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी और उसके युवराज राहुल गांधी आदिवासियों को वनों से दूर करने वाली नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। आदिवासियों को कांग्रेस ने हमेशा सत्ता सुख भोगने के लिए गुमराह किया है, लेकिन अब वह बेनकाब हो चुकी है। विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में आदिवासी मतदाता कांग्रेस का अंतिम विसर्जन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में हर कार्यकर्ता संगठन का चेहरा है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को विकसित भारत की ओर आगे ले जाने में जुटा है। हमने राज्य में तीन महीने से कम समय में मोदी द्वारा दी गई कई बड़ी गारंटियों को पूरा किया है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी का रिकॉर्ड बना है। हमने किसानों को 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान बिक्री की सौगात दी है। कांग्रेस हमेशा बोनस-बोनस का राग अलापती रही। मेरी सरकार ने धान के बकाया बोनस के साथ कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत अंतर राशि भी प्रदान करने का काम किया है। प्रदेश में महतारी वंदन योजना के जरिए 12 हजार रुपए हर साल महिलाओं दिए जाने की शुरुआत हो चुकी है। मैंने तय किया था कि 18 लाख गरीब परिवारों को पीएम आवास का घर देने से जुड़ी फाइल पर दस्तखत के बाद ही सीएम हाउस में प्रवेश करूंगा। पहली कैबिनेट में ही इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। भ्रष्टाचार को लेकर हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। पीएससी परीक्षा में धांधली कर युवाओं के सपनों का सौदा करने वालों के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। महादेव एप घोटाला हो या कोयला घोटाला, भ्रष्टाचार कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होकर रहेगी। प्रदेश की जनता छत्तीसगढ़ की तरक्की को लेकर हमारी प्रतिबद्धता देख रही है। लोकसभा चुनाव में भी वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति करने वाली कांग्रेस को जनता सबक सिखाएगी।

# इंडिया गठबंधन के लिए आसान नहीं दिल्ली का मैदान

**उमेश चतुर्वेदी**

राजधानी दिल्ली में इंडिया गठबंधन की राह कठिन होती जा रही है। बीजेपी के खिलाफ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की संयुक्त मोर्चाबंदी भी मजबूत नजर नहीं आ रही है। यहां की सात सीटों में से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस जहां तीन सीटों पर ही लड़ रही है, वहीं सबसे नई पार्टी आप चार सीटों पर मैदान में है। लेकिन दोनों ही पार्टियों में आपसी सामंजस्य नहीं दिख रहा है। रामलीला मैदान की रैली को छोड़ दें तो दोनों ही पार्टियों के नेता अब तक कहीं भी मैदान में एक साथ नजर नहीं आए हैं। इसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को साफ तौर पर मिलता दिख रहा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस भले ही मिल कर लड़ रहे हों, लेकिन लगता नहीं कि दोनों ही दलों के जमीनी कार्यकर्ताओं के दिल मिल गए हैं। वैसे कांग्रेस में भी अंदरूनी कलह खूब दिख रही है। आम आदमी पार्टी का उभार कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ ही हुआ था। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान अरविंद केजरीवाल अक्सर तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को भ्रष्टाचारी बताते हुए सत्ता में आने पर जेल भेजने का दावा करते थे। कांग्रेसी कार्यकर्ता उस बात को अब तक भूल नहीं पाए हैं। शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कहते भी रहे हैं कि अपनी मां के अपमान का बदला वे जरूर लेंगे। ऐलानिया तौर पर संदीप आम आदमी पार्टी के मुखर विरोधी रहे हैं। लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी के खिलाफ जुबान बंद रखी। उन्होंने दिल्ली से चुनाव लड़ने की चाहत का खुलकर इजहार भी किया। उनकी नजरें कांग्रेस के हिस्से में आई उत्तर पूर्वी दिल्ली की सीट पर थीं, जहां से बीजेपी के मनोज तिवारी तीसरी बार किस्मत आजमा रहे हैं। लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने यहां से जेएनयू की वामपंथी छात्र राजनीति से कांग्रेसी दायरे में शामिल हुए कन्हैया कुमार को उम्मीदवार बना दिया है जिसे संदीप दीक्षित पचा नहीं पा रहे हैं। एक चुनावी बैठक में तो उन्होंने कन्हैया कुमार के साथ ही दिल्ली के कांग्रेस प्रभारी दीपक बावरिया को खरी-खोटी सुना दी। कन्हैया ने उन पर बीजेपी की तरह बोलने का आरोप भी लगा दिया। जिसका संदीप ही नहीं, कई कांग्रेसी नेताओं ने जोरदार विरोध किया। गनीमत इतनी रही कि कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। उत्तर पश्चिमी दिल्ली से कांग्रेस ने जिस उदित राज को अपना उम्मीदवार बनाया है, वे 2014 में बीजेपी के टिकट पर दिल्ली से ही सांसद बने थे। यह बात और है कि अगली बार उनका टिकट कट गया तो वे बागी बन गए और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। उदित राज को भी कांग्रेस के अंदरूनी हलके में खुलकर बाहरी उम्मीदवार बोला जा रहा है। उनकी उम्मीदवारी को कांग्रेसी ही नहीं पचा पा रहे हैं। उनके बड़बोलेपन से भी कांग्रेसी परेशान हैं। दिल्ली के चुनाव में इंडिया गठबंधन के सामने दो तरह की चुनौतियां हैं। पहली चुनौती आप और कांग्रेस के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल और सहयोग को लेकर है तो दूसरी चुनौती कांग्रेस का अपना अंदरूनी संकट है। कांग्रेस के अंदरूनी संकट का ही नतीजा है कि कन्हैया कुमार और उदित राज कांग्रेसी हलके को स्वीकार्य नहीं हो पा रहे हैं। दोनों नेताओं में एक समानता यह भी है कि दोनों की छवि अतिवादी विचारों की है। पारंपरिक कांग्रेसी नेताओं को लगता है कि इनकी छवि के चलते इनके लिए समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा। कन्हैया कुमार के जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष रहते हुए ही देश के टुकड़े होंगे वाली नारेबाजी हुई थी। कांग्रेसी नेताओं को लगता है कि कन्हैया कुमार पर इस नारे की छवि इतने गहरे तक अंकित हो चुकी है कि उनके लिए वोट हासिल कर पाना आसान नहीं होगा। बेशक दिल्ली पर जेएनयू छात्रसंघ चुनाव नतीजों का असर नहीं पड़ता, लेकिन दिल्ली में जेएनयू के होने की वजह से वहां होने वाली घटनाओं की जानकारी दिल्लीवालों को और इलाके के लोगों की तुलना में ज्यादा ही है। कांग्रेसी नेताओं को लगता है कि जैसे ही वे मैदान में उतरेंगे, बीजेपी के कार्यकर्ता और नेता भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे नारों की जनता को खूब याद दिलाएंगे।

# चुनाव का आठवां चरण मतदाता का

**संजय तिवारी**

संसार में सात अजूबे हैं और संयोग से इस बार भारत में मतदान भी सात चरण में होगा। संसार में आठवां अजूबा भले न खोजा गया हो लेकिन भारत में मतदाता ही आठवां अजूबा है जिसके बारे में कभी भी सटीक भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है कि वह वोट देते समय किस आधार पर वोटिंग करेगा।

एक बार अनौपचारिक चर्चा में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने कहा था कि इस देश का आम मतदाता जिसे हम गंवार, देहाती या कम समझवाला समझते हैं, उससे अधिक समझदार कोई है ही नहीं। उसका सामूहिक निर्णय सदैव सटीक होता है जो देश को हमेशा नयी दिशा देता है। विचारधारा की राजनीति भले ही देश पर थोपने की कोशिश की गयी हो लेकिन भारत का आम मतदाता इससे कभी बहुत प्रभावित नहीं रहा है। उसने समय और परिस्थिति के अनुसार ही निर्णय लिया है और उसकी सामूहिक समझ वैचारिक बुद्धिजीवियों के विश्लेषण पर सदैव भारी पड़ी है।

दस साल पहले 2014 में नरेन्द्र मोदी इतने प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं इसका अनुमान उन पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को भी नहीं था जिन्हें यह भ्रम होता है कि वो देश के लोक मानस का सटीक आकलन कर सकते हैं। मोदी की सरकार बन जाने के बाद भी बहुत लंबा समय लगा बुद्धिजीवियों को यह समझने में कि मोदी को इतनी प्रचंड जीत मिली तो आखिर क्यों मिली?

इस जीत में कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों और उनके प्रभाव में राजनीति करनेवाले नेताओं को हिन्दू मुस्लिम द्वंद नजर आया। यह एक फैक्टर जरूर था लेकिन मोदी का दस साल का कार्यकाल देखने के बाद यह कहा जा सकता है कि देश की बहुसंख्यक जनता ने एक ऐसे शासक को चुना जो कठोरता से निर्णय ले सकता है। आज से दस साल पहले राजनीति में जिस तरह की सांप्रदायिकता घुस चुकी थी, आज दस साल में ही उसका बहुत हद तक अंत हो गया है। फिर मोदी ने नोटबंदी, धारा 370 से लेकर कोरोना लॉकडाउन तक ऐसे ऐसे कठोर निर्णय लिये जो किसी अन्य नेता के बूते की बात नहीं थी।

इससे पहले के इतिहास में जाएंगे तो हम यही पायेंगे कि इस देश का सामान्य मतदाता अस्थिर चित्त नहीं है। उसकी जो सामूहिक चेतना है वह आश्चर्यजनक रूप से एक समय में लगभग एक जैसा ही सोच रही होती है। नेहरु, इंदिरा, राजीव हों या फिर अटल बिहारी और नरेन्द्र मोदी। जनता ने किसी का समर्थन किया है तो उसके पीछे उसकी सामूहिक सोच काम कर रही होती है। उस काल में उससे बेहतर कोई और दूसरा विकल्प हो ही नहीं सकता था, इसलिए बहुसंख्य जनता ने उसे ही अपना समर्थन दिया।

नब्बे का दशक जरूर भारत का राजनीतिक रूप से सबसे अस्थिर दशक था। लेकिन इस दशक की अस्थिरता के लिए अस्सी के दशक में वीपी सिंह द्वारा दिया गया अस्थिर नेतृत्व भी जिम्मेवार था। राजीव गांधी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप थे और उस भ्रष्टाचार के खिलाफ वीपी सिंह बतौर नेता खड़े किये गये थे। लेकिन जल्द ही समझ में आ गया कि उनका नेतृत्व कमजोर है। वो आनन फानन में बने जनता दल को ही बचाकर नहीं रख पाये। फिर आर्थिक प्रशासनिक सुधार के बजाय उन्होंने सामाजिक सुधार का रास्ता पकड़ लिया जिसकी किसी ने उनसे उम्मीद ही नहीं की थी।

इसलिए वीपी सिंह गये तो अपने पीछे एक भारी उथल पुथल छोड़ गये। नरसिंहराव देश की जनता की पसंद नहीं थे। वो राजीव गांधी की मौत से उभरे शून्य को भरने आये थे। उनके बाद एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल के छोटे कार्यकाल हों या अटल बिहारी वाजपेयी का 6 साल का कार्यकाल। सबसे सामने एक ही संकट था कि उन्हें स्थिर सरकार देनी है जिसे दो बार असफल होने के बाद आखिरकार तीसरी बार अटल बिहारी वाजपेयी ही दे पाये। उसके बाद मनमोहन सिंह ने गठबंधन के दस साल और मोदी ने एक पार्टी बहुमत में दस साल की सरकारों का नेतृत्व किया।

अगर हम आम चुनावों का विश्लेषण करें तो समझ आता है कि जनता एक प्रकार की परिस्थिति को दूसरे प्रकार की परिस्थिति से बदलने का प्रयास करती है। इसमें पार्टी की ओर से बनाये गये प्रधानमंत्री का आचरण और व्यवहार बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए हर जाते प्रधानमंत्री के बाद जो आता हुआ प्रधानमंत्री होता है वह पिछले का विकल्प ही नजर आता है।

जैसे नरसिंहराव, देवेगौड़ा जैसे कम बोलनेवाले प्रधानमंत्रियों के दौर में अटल बिहारी वाजपेयी जैसे ओजस्वी वक्ता प्रधानमंत्री के रूप में एक स्वाभाविक विकल्प नजर आये तो जनता ने उन्हें अपना नेता मान लिया। इसके बाद दस साल मनमोहन सिंह के ढीले ढाले मौन शासन के बाद नरेन्द्र मोदी मुखर वक्ता और कठोर शासक नजर आये तो जनता ने उन्हें अपना नेता मान लिया।

इसी पैटर्न पर चलते हुए 2024 को देखें तो इस बार अंदाज लगाना मुश्किल है कि चतुर, तेजतर्रार और आत्मकेन्द्रित मोदी ही जनता के मन में बसे हैं या फिर उनके विकल्प के तौर जनता ने इन गुणों के विपरीत वाले किसी व्यक्तित्व में विकल्प खोजना शुरु कर दिया है। मतदाता का वही रहस्यमय स्वभाव इस बार सबको परेशान कर रहा है कि आखिरकार मतदाता के मन में क्या है? उसके चरण घर से निकलकर मतदान केन्द्र तक जाएंगे तो किसको वोट देकर आयेंगे?

हालांकि भारत में औसत मतदान 60-65 प्रतिशत के आसपास ही रहता है। सभी की जीत हार इसी 60-65 प्रतिशत में ही निहित रहती है। भारत के विशाल भूभाग और यहां रोजी रोटी के लिए जनसंख्या का पलायन देखें तो यह आंकड़ा भी कहीं से कम नहीं है। देश का वह आम आदमी जिसका मतदान को लेकर अपना स्वभाव गुप्त दान वाला ही रहता है, वही सबसे अधिक इसका हिस्सेदार बनता है। लेकिन उसी के सामने रोजी रोटी का भी संकट हैं। उसके वोट से सरकारें बनती हैं, बिगड़ती हैं, नेतृत्व उभरते हैं, नष्ट हो जाते हैं लेकिन उसके अपने हालात में बहुत परिवर्तन नहीं आता है।

सरकारों को सलाह देने, उसकी दिशा तय करने में जिस इलिट क्लास का कब्जा रहता है वो वोट देने में ही विश्वास नहीं करते। वह उन सरकारों को मैनेज करने या फिर उनसे काम निकाल लेने में विश्वास करता है, जिसको चुनने के लिए आम आदमी घण्टों लाइन में लगकर वोट देता है। उसकी अपनी सामूहिक चेतना चाहे जो हो लेकिन इलिट क्लास की अपनी कोई चेतना ही नहीं होती। उसके लिए अपना धंधा व्यापार, कारोबार, लाभ-हानि, ठेका-पट्टा, सट्टा यही सब महत्वपूर्ण होता है। आश्चर्य यह कि सरकार किसी की भी बनें, यह क्लास उसे अपने सांचे में ढाल ही लेता है।

शायद यही कारण है कि वोट देने वाली सामूहिक चेतना अक्सर धोखा खाती रही है। मानों खेल का मैदान कोई और तैयार करता है और उसके खिलाड़ी किसी और लोक से आ जाते हैं। भारत के लोकतंत्र का व्यावहारिक स्वरुप इसके सैद्धांतिक आदर्शों से इतना दूर है कि इसके विरोधाभाष खत्म होने का नाम ही नहीं लेते। इन्हीं विरोधाभाषों के बीच अगर मतदाता अपने मताधिकार को गुप्त बनाये हुए है और हर आकलन करनेवाले को छकाये हुए है तो इसमें गलत भी कुछ नहीं है।

इस बार का आमचुनाव एकतरफा किसी लीडर के पीछे लामबंद होनेवाला ही रहता है या फिर जीत हार का गणित सीटों के हिसाब से बंट जाता है, इसका सही पता तो 4 जून शाम को ही लगेगा। लेकिन हमेशा की तरह इतना तो तय है कि मतदाता का आठवां चरण मतदान के सात चरणों में सबसे महत्वपूर्ण है। उसके बिवाई फटे नंगे पैर जिसके सिर पर आशीर्वाद स्वरूप स्पर्श कर देंगे, वह दिल्ली के सिंहासन पर जा बैठेगा। लेकिन वह भाग्यशाली कौन होगा, इसका पता 4 जून के बाद ही चलेगा।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-2)

**गतांक से आगे...**

चित्त (की चंचलता) के दो कारण हैं, वासना अर्थात् पूर्वार्जित संस्कार एवं वायु अर्थात् प्राण; इन दोनों में से एक का भी निरोध हो जाने पर दोनों समाप्त (निरुद्ध) हो जाते हैं।

दोनों में सबसे पहले वायु अर्थात् प्राण पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। प्राणों पर विजय प्राप्त करने के तीन साधन हैं- 1. मिताहार 2. आसन एवं 3. शक्तिचालिनी मुद्रा का अभ्यास। हे गौतम ! अब तुम्हें इनका (मिताहार का) लक्षण कहता हूँ, सादर (ध्यानपूर्वक) सुनो। सबसे पहले साधक को चाहिए कि वह स्निग्ध एवं मधुर भोजन (आधा पेट) करे, (उसका आधा भाग पानी) एवं चौथाई भाग (हवा के लिए) खाली रखे।

इस तरह से शिव (कल्याण) के निमित्त भोजन करने को मिताहार कहते हैं। (प्राणजय के लिए प्रमुख) आसन दो कहे गये हैं- पहला है पद्मासन, दूसरा है वज्रासन। दोनों पैरों की जंघाओं पर एक दूसरे के ऊपर तलवों को सीधा (ऊपर की ओर) करके रखने से सभी पापों का विनाश करने वाला पद्मासन होता है।

गर्दन, सिर एवं शरीर को एक सीध में रखकर बायें पैर की एड़ी को सीवन (योनि) स्थान में तथा दायें पैर की एड़ी उसके ऊपर लगाकर बैठने को वज्रासन कहा जाता है।

[वैसे तो यह लक्षण सिद्धासन का है, परन्तु हठयोग प्रदीपिका जैसे ग्रन्थों में भी इसे वज्रासन कहा गया है; जबकि वर्तमान में दोनों घुटने मोड़कर दोनों एड़ियों पर बैठने की स्थिति वज्रासन कही जाती है।] प्रमुख शक्ति कुण्डलिनी कही गई है, बुद्धिमान् साधक उसे चालन क्रिया के द्वारा नीचे से ऊपर दोनों भृकुटियों के मध्य ले जाता है, इसी क्रिया को शक्तिचालिनी कहते हैं।

**क्रमशः ...**

# श्री हनुमान प्रकटोत्सव

**मृत्युंजय दीक्षित**

रामायण युग में दिव्य शक्तियों से परिपूर्ण होकर अवतरित रामभक्त हनुमान जी को कौन नहीं जानता और कौन नहीं मानता? रामभक्त हनुमान जी सर्वगुण सम्पन्न,बाल ब्रह्मचारी और प्रभु राम तथा उनके भक्तों के कठिन से कठिन कार्य करने के लिए सदा तत्पर हैं। हनुमान जी आज कलयुग के निराशावादी जीवन में भी उत्साह का संचार करते हुए आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

हनुमान जी के जन्म का उल्लेख अगस्त्य संहिता में हुआ है। उनके जन्म की तिथि कई स्थानों पर चैत्र मास की एकादसी और कई स्थानों पर पूर्णिमा मानी जाती है। हनुमान जी को अंजनीपुत्र, पवनसुत, शंकरसुवन, केसरीनंदन, बजरंग, आदि नामों से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें महाबल, रामदूत, फाल्गुनसखा (अर्जुन के मित्र), पिगांक्ष, अमितविक्रम, उदधिक्रमण (समुद्र को अतिक्रमण करने वाले), सीता शोक विनाशक ,लक्ष्मण प्राणदाता और दशग्रीवदर्पदा (रावण के घमंड को दूर करने वाला) भी कहा जाता है। हनुमान जी के ये बारह नाम उनके गुणों के द्योतक हैं।

श्री हनुमान चरित्र एक जीवन दर्शन है। हनुमान जी के चरित्र में शक्ति संचय और उसका सदुपयोग, भगवान की भक्ति आदि का पूर्ण विकास होने के कारण व उनकी आराधना से भक्तों में इन गुणों की उपलब्धि। यदि आज के युवा हनुमान जी के जीवन चरित्र को अच्छी तरह से समझें तो समाज की तमाम बुराइयों व निराशावादी वातावरण का सहज अंत हो जायेगा। हनुमान जी आज के युग के लिए एक श्रेष्ठ प्रबंधक गुरू भी साबित हो सकते है। उसका कारण है कि हनुमान जी अपने स्वामी श्रीराम जी के काम को समय पूरा करके दिखा दे देते थे फिर चाहे उनके मार्ग में जितनी कठिन समस्यायें ही क्यों न आयें। यही कारण है कि भगवान श्रीराम को हनुमान जी के प्रति विशेष लगाव हो गया था। भगवान श्रीराम हनुमान जी के प्रति विशेष कृपादृष्टि रखने लग गये थे। वे अपना हर कठिन से कठिन काम हनुमान जी को सौंपते थे और ऐसा करके वे निश्चिंत होकर आगे की कार्ययोजना बनाने लग जाते थे।

मान्यता है कि हनुमान जी कलियुग के जाग्रत देव हैं जो भक्तों को बल, बुद्धि, विवेक प्रदान करके भक्तों की रक्षा करते हैं। हनुमान जी के स्मरण से रोग, शोक व कष्टों का निवारण होता है। मानसिक कमजोरी व दुर्बलता के दौर में हनुमान जी का स्मरण करने मात्र से जीवन में नये उत्साह का संचार होता है। हनुमाजी के चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उनमें अहंकार रंचमात्र नहीं था वे सदा श्रीराम व उनके परिवार के सभी सदस्यों सहित अपने गुरू, माता-पिता तथा साधु-संतो के प्रति नतमस्तक रहते थे। हनुमान जी ने जब माता सीता की खोज के लिए रावण के अंतःपुर में प्रवेश किया और रावण की स्त्रियों और उनकी सुंदरता को देखा तब भी उनका मन व विचार स्खलित नहीं हुआ। हनुमान जन्मोत्सव के दिन हनुमान जी की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। जिससे कई गुना लाभ सभी भक्तों को मिलता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान जी के सभी मंदिरों को बेहद भव्य तरीके से सजाया जाता है।

# लोक सभा चुनाव में छह राज्यों पर नजर

**शेखर गुप्ता**

ये आम चुनाव कितने करीबी हो सकते हैं? अगर आप नरेंद्र मोदी या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रशंसक हैं तो आप कहेंगे तो इन चुनावों में सबकुछ अनुमान के मुताबिक ही घटित होगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 400 सीटें मिलने की उम्मीद है। अगर आप विपक्ष के समर्थक हैं तो आप कह सकते हैं कि ये चुनाव 2004 जैसे होंगे जब अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले राजग को जीत का दावेदार माना जा रहा था लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा। पहले चरण का मतदान हो चुका है। इस बीच टेलीविजन चैनलों पर कई 'ओपिनियन पोल' प्रसारित हुए। इन्हें किस तरह अंजाम दिया जाता है कोई नहीं जानता। इन सभी पोल में यही कहा गया है कि भाजपा 2019 से बड़ी जीत हासिल करेगी। हाल के समय में सबसे सफल चुनाव पूर्वानुमान लगाने वाले प्रदीप गुप्ता (ऐक्सिस माई इंडिया) ने अब तक कुछ नहीं कहा है। एक ट्वीट के मताबिक उन्होंने मनीकंट्रोल से कहा था कि भाजपा को 13 राज्यों में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। उस ट्वीट को बाद में हटा दिया गया। उन्होंने ओपिनियन पोल करने का कोई दावा नहीं किया है।

जब कोई अग्रणी चुनाव सर्वेक्षक अपने पत्ते नहीं खोल रहा हो तो एक पत्रकार क्या कर सकता है? वह चुनावों का 'पाठ' कर सकता है। क्या ऐसा हो सकता है कि दोनों पक्ष थोड़ा-थोड़ा सही हों और गुप्ता ने अपने मिटा दिए गए ट्वीट में जो कहा था वह भी सही हो? भारत जैसे विशाल देश के चुनावों में जब मोदी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हों तब भी नतीजे विभिन्न राज्यों में हुए चुनावों का ही नतीजा होते हैं। वर्ष 1989 से 2014 तक गठबंधन के 25 वर्षों में मैं यही दलील देता थ कि भारत के आम चुनाव नौ सेट वाले टेनिस मैच की तरह हैं जिनमें पांच सेट जीतने वाला खिलाड़ी यह चुनावी ग्रैंडस्लैम जीतता है। इनमें से नौ राज्य थे- उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश (विभाजन के पहले), मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक और केरल। इन राज्यों में कुल मिलाकर 351 सीट थीं। पांच राज्यों में चुनाव जीतने वाले को करीब 200 सीट मिल जाती थीं। इस प्रकार गठबंधन 272 का आंकड़ा पा लेता था। वर्ष 2014 में यह सिलसिला खत्म हो गया। इन चुनावों में हम छह राज्यों पर नजर रखेंगे- महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक, झारखंड और ओडिशा। इन राज्यों में 193 लोक सभा सीट हैं और यहां कड़ा मुकाबला है। इनसे ही तय होगा कि 4 जून को किसके पास कितनी सीट होंगी। अगर उसे 225 से अधिक सीट पर जीत हासिल करनी है तो वे इन्हीं राज्यों से आएंगी।

वर्ष 1977 के बाद जन्मे मतदाताओं के लिए अगर हम पहली गैर कांग्रेस सरकार को प्रस्थान बिंदु मानें तो 2014 तक लोकसभा में बहुमत का ख्याल अजीब था। यही कारण है कि 2014 में मोदी की जीत उन्हें जबरदस्त लगी हालांकि 282 सीट के साथ पार्टी को मामूली बहुमत हासिल था। इंदिरा गांधी ने जब 1969 में कांग्रेस को पुराने नेताओं से मुक्त कराया था तब एक छोटी लोक सभा में भी उनके पास 350 सीट थीं। अगर 2014 की जीत जबरदस्त थी तो 2019 में तो उनकी नजर में सफाया ही हो गया था। पुलवामा-बालाकोट के कारण राष्ट्रवादी उभार ने 2019 में भाजपा को 2014 की तुलना में अधिक वोट दिलाए और उसका मत प्रतिशत 31.34 फीसदी से बढ़कर 37.7 फीसदी हो गया। वहीं सीट में केवल 20 का इजाफा हुआ और पार्टी 303 सीट तक पहुंची। यह आंकड़ा हमें बताता है कि जब इतना लोकप्रिय नेता सत्ता में हो तब भी देश में चुनाव राज्य दर राज्य ही होते हैं। मोदी को बिहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, असम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे 12 राज्यों में 278 सीट पर जीत मिली थी। बाकी पूरे देश में पार्टी को केवल 25 सीट पर जीत मिली। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। परंतु 12 राज्यों में स्पष्ट जीत ने यह सफलता तय की।

इतिहास बताता है कि भाजपा को 2019 में 224 से अधिक सीट पर 50 फीसदी से अधिक मत मिले। हम इसे तब अच्छी तरह समझ पाएंगे जब हम याद करें कि राजीव गांधी 414 सीट जीतने के बावजूद 48.12 फीसदी मत ही हासिल कर पाए थे। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं। पहला, इन 242 सीट में से अधिकांश भाजपा के अच्छे प्रदर्शन वाले 12 राज्यों में हैं और विपक्षियों के लिए 2024 में कड़ा मुकाबला है। यह तब है विपक्षी गठबंधन है, कुछ जाति समूह नाराज हैं और पुलवामा जैसा कोई कारक भी नहीं है। हरियाणा की बात करें तो वहां कई नकारात्मक कारक हैं। भाजपा की राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष है। वर्ष 2019 में भाजपा को वहां 58.21 फीसदी मत मिले थे। दूसरा, यही आंकड़े बताते हैं कि भाजपा को जहां इन राज्यों में 224 सीट पर जीत मिली थी जबकि शेष पूरे देश में उसे केवल 79 सीट पर जीत मिली, 319 सीट में से। यह सही है कि पार्टी इन सभी सीटों पर चुनाव नहीं लड़ी थी लेकिन मैं 224 सीट के अलावा बाकी की बात कर रहा हूं। यानी उसे एक चौथाई से भी कम सीटों पर जीत मिली।

अगर आप भाजपा समर्थक हैं तो यहीं से शुरुआत कर सकते हैं और 224 सीट को हल्के में ले सकते हैं। परंतु 370 के आंकड़े पर पहुंचने के लिए शेष 319 में से आधी सीट जीतनी होंगी। असली लड़ाई यहीं है। मोदी को अगर अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उनके लिए पहला लक्ष्य होगा 303 सीट का आंकड़ा पार करना। यह बात हमें वापस छह राज्यों के विचार की ओर लाती है। इन राज्यों में कुल 193 सीट हैं। इनमें से चार राज्य- कर्नाटक, बिहार, महाराष्ट्र और झारखंड उन 12 राज्यों में शामिल थे जहां 2019 में मोदी को जीत मिली। इन राज्यों में उनके सामने नई राजनीतिक चुनौतियां हैं। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उन्हें पहले ही तरह-तरह की चुनौती मिल चुकी है। लगभग 100 अन्य सीट के लिए तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल में मुकाबला होगा जहां भाजपा के लिए बहुत अधिक संभावनाएं नहीं हैं। उसे 303 का आंकड़ा पार करने के लिए इन छह राज्यों में 100 सीट पर जीत हासिल करनी होगी।

इन छह राज्यों को चुनने की दो वजह हैं। पहली, भाजपा इनमें से हर राज्य में मजबूत है। दूसरा मोदी को हर राज्य में एक अलग हकीकत का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र और बिहार में उनके मजबूत साझेदार कमजोर पड़े हैं। शिवसेना का विभाजन हो चुका है और जनता दल यूनाइटेड काफी कमजोर पड़ा है। मोदी के सामने उसके नेता नीतीश कुमार के नाम पर वोट जुटाना एक बड़ी चुनौती है। झारखंड और कर्नाटक में भाजपा के विरोधी दलों की सरकार है। इससे संतुलन गड़बड़ाया है। ओडिशा में 2019 की तरह फिक्स और दोस्ताना लड़ाई नहीं होगी। उस वक्त विधानसभा चुनाव के बदले लोक सभा चुनाव का सौदा जैसा किया गया था।

नवीन पटनायक को चिंता होगी कि अगर वह कमजोर साबित हुए तो उन्हें अपना बुढ़ापा राजनीतिक पराभव में गुजारना होगा और खुद को नहीं तो अपने लोगों को एजेंसियों से बचाना होगा। ये तमाम वजह हैं जिनकी वजह से हम कहते हैं कि देश के राजनीतिक परिदृश्य में व्यापक तौर पर भले ही यह चुनाव अनुमान लगाने लायक लग रहा हो लेकिन कुछ राज्यों में मुकाबला 2019 की तुलना में कहीं अधिक करीबी है। यही वजह है कि हमने जिन छह राज्यों का जिक्र किया है वहां देखना होगा कि मोदी 2019 से बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं या नहीं। अगर विपक्ष उन्हें 272 के आंकड़े से नीचे रखना चाहता है तो इन राज्यों में उसे अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

## आज का इतिहास

1705 रिचर्ड स्टील ने टेंडर हस्बैंड का प्रीमियर लंदन में किया।

1723 कॉर्नेलिस स्टीनॉउने ने यूट्रेक्ट के मुख्य पादरी का चुनाव जीता।

1906 रूस के प्रथम राज्य ड्यूमा में मौलिक कानून की घोषणा की गयी।

1908 डेनमार्क, जर्मनी,ब्रिटेन, फ्रांस, हालैंड और स्वीडन के बीच उत्तरी अटलांटिक संगठन संधि पर हस्ताक्षर किये गये।

1918 प्रथम विश्व युद्ध ब्रिटिश रॉयल नेवी ने ब्रूग्स-ज़ेब्रूज के बेल्जियम बंदरगाह पर छापा मारा।

1919 एस्टोनियाई संविधान सभा ने अपना पहला सत्र की शुरुआत की।

1942 दूसरे विश्व युद्ध में कई हफ्ते पहले लुबेक के रॉयल एयर फोर्सबॉम्बिंग के लिए जवाबी कार्रवाई में, लूफ़्टवाफे ने इंग्लैंड में एक्सबॉम्बिंग छापे की एक श्रृंखला शुरू की, एक्सेटर से शुरू किया।

1951 अमेरिकी पत्रकार विलियम एन। ओटिस को चेकोस्लोवाकिया की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा जासूसी के लिए गिरफ्तार किया गया था।

1954 सेंट लुइस कार्डिनल्स के विक रासची के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए मिल्वौकी ब्रेव्स के हांकराओन ने मेजर लीग बेसबॉल में अपने तत्कालीन रिकॉर्ड 755 होमरून में से पहला झटका दिया।

1961 अल्जीरियाई युद्ध के बीच में, फ्रांसीसी राष्ट्रपति चार्ल्स डीगॉले ने एक सैन्य भाषण दिया, जो सैन्य कर्मियों और स्थानीय लोगों को उनके खिलाफ तख्तापलट की कोशिश का विरोध करने के लिए बुला रहा था।

1967 सोयुज 1, सोवियत सोयुज अंतरिक्ष यान का पहला मिशन, बैकोनूर कॉसमोड्रोम से कॉस्मोनॉट व्लादिमीर कोमारोव ले जाने के लिए लॉन्च किया गया था।

1968 कोलंबिया विश्वविद्यालय न्यूयॉर्क शहर में वियतनाम युद्ध का विरोध कर रहे छात्रों ने प्रशासन की इमारतों को अपने कब्जे में ले लिया और इस विविधता को बंद कर दिया।

1979 एक्टिविस्ट ब्लेयर पीच को टाउन हॉल में ब्रिटिश नेशनल फ्रंट की चुनाव बैठक के खिलाफ लंदन के साउथॉल में एक नाज़ी लीग विरोधी प्रदर्शन के दौरान बेहोश होने के बाद घातक सिर की चोटों का सामना करना पड़ा।

1991 ब्योर्न बोर्ग ने 8 साल के अंतराल के बाद जोर्डी एरेसे को 6-2, 6-3 से हराया।

1992 मैकडॉनल्ड्स चीन में अपना पहला फास्ट-फूड रेस्तरां खोलता है।

1996 सोथेबी ने जैकी ऑस्मियम के 4 दिनों की शुरुआत की, जिसमें 24 मिलियन हिट हुए।

# चुनाव में प्रकृति पर भी रहे ध्यान

**अनिल प्रकाश**

इस समय देश में चुनाव का माहौल है। हर जगह अगर कोई सबसे महत्वपूर्ण खबर है, तो वह राजनीति को लेकर है या फिर माननीयों के शब्द-वाणों पर है। विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे और वादे किये जा रहे हैं। यही मुद्दे मतदाताओं को लुभाते भी हैं। दुर्भाग्य यह है कि इन तमाम चर्चाओं में कहीं पर भी लेशमात्र प्रकृति और पर्यावरण का जिक्र नहीं होता। हवा, मिट्टी, जंगल, पानी आदि को लेकर कोई बात नहीं होती।

लोकसभा ही नहीं, विधानसभा से लेकर पंचायत तक के चुनाव में भी ये मसले गायब रहते हैं। जब देश स्वतंत्र हुआ था, तब शायद पर्यावरण इतना महत्वपूर्ण हिस्सा नहीं था क्योंकि उस समय की प्राथमिकताएं आर्थिकी और विकास से जुड़ी थीं। तब अकाल, खेती में कम उत्पादन, बेरोजगारी जैसे मुद्दे प्रमुख थे। पर आज, जब अपना देश ही नहीं, बल्कि सारा विश्व तेजी से बदल रहा हो और उसका कारण मात्र बदलती पारिस्थितिकीय परिस्थितियां हों, तो फिर इनका गायब रहना नेताओं के विवेक पर सवाल खड़े करता है। प्रकृति और पारिस्थितिकी को इस तरह अनदेखा करना निराशाजनक है।देश की पर्यावरण रपट कतई अच्छी नहीं मानी जा सकती।

आज बेंगलुरु और अन्य कई स्थान जल-विहीन होने की कगार पर हैं। बेंगलुरु को भारत का केपटाउन कहा जा रहा है। दक्षिणी अफ्रीकी शहर केपटाउन में आज पानी की राशनिंग हो चुकी है। कर्नाटक में जल भंडारण घटकर 36 प्रतिशत बचा है। इसका मतलब यह है कि यह गर्मी कर्नाटक के लिए भारी पड़ने वाली है। तेलंगाना से भी खबरें आ चुकी हैं कि वहां के सारे जलाशयों में पानी तेजी से घटता जा रहा है। गर्मी ने प्रचंड रूप लेना शुरू कर दिया है, जिससे जहां एक तरफ जल आवश्यकता बढ़ेगी, वहीं दूसरी तरफ जल भंडारों में पानी की कमी आयेगी। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही स्थिति है। अब ऐसे में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि, जहां ऐसा सर्वेक्षण नहीं हुआ है, स्वाभाविक है कि वे भी इसी और इशारा करेंगे। हिमालय की खबर है कि वहां बढ़ती गर्मी के कारण हिमखंड झीलों में परिवर्तित हो रहे हैं। इसके दो दुष्परिणाम सामने होंगे- झील आपदाओं का कारण बनेगी और नदियों में पानी की कमी होगी।

अब देश की हवा के बारे में बात करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में भारत के 80 शहर वायु प्रदूषण में अग्रणी हैं। जब देश की राजधानी ही दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी हो, तो फिर अन्य शहरों की स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। वह हवा, जिससे हम हर क्षण सांस लेते हैं, प्रदूषित होती चली जा रही हो और यह हमारा राष्ट्रीय विषय, खास तौर से राजनीतिक दलों की चिंता का हिस्सा न हो, तो फिर चुनाव में जीवन बचाने के कौन सी पहल राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में झलकती हैं? यह सवाल उठाया जाना चाहिए।

अब देखिए, हवा, पानी और मिट्टी, जो जीवनदायी संसाधन हैं, उनको जोड़ने वाले वनों की हालत भी खराब है। बिहार में सात से आठ प्रतिशत वन बचा है, पश्चिम बंगाल में यह आंकड़ा 13-14 प्रतिशत है, जबकि यह 33 प्रतिशत होनी चाहिए। घोषणापत्रों में इनका कोई भी जिक्र नहीं दिखता। आखिर ऐसा क्यों होता है कि हमारे राजनीतिक दल इस तरह के मुद्दों के प्रति असंवेदनशील होते हैं, इसका विश्लेषण हम सबको करना चाहिए। अगर हम राजनीतिक दलों या नेताओं के चुनावी वादों और दावों को देखें, तो वे सब विकास से ही संदर्भित होते हैं क्योंकि इसी में उनका सबसे बड़ा दांव लगा होता है। सच तो यह है कि ये समझ उनकी नहीं होती, बल्कि हमारे द्वारा उनको ये ही जताया जाता है। राजनीतिक दल वही बात करने की कोशिश करते हैं, जो जनता चाहती है। वे हमारी इस नब्ज को हमसे भी बेहतर समझते हैं।

जब देश के लोगों की प्राथमिकताएं विकास पर केंद्रित होगी, तो स्वाभाविक तौर पर राजनीतिक दल और नेता अपनी बातों में विकास को ही केंद्र में रखेंगे। क्या आज तक के चुनावी इतिहास में प्रकृति, पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर चर्चा कभी हुई? क्या कभी कोई चुनाव ऐसा लड़ा गया हो, जब पर्यावरण भी मुद्दा बना हो? अगर ऐसे प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक हैं, तो यह राजनीतिक दलों से ज्यादा हम सबके लिए आवश्यक हो जाता है क्योंकि राजनीतिक दलों के सत्ता में आने के बाद जो कुछ भी होता है, वह हम सबके सामने हैं। और, ये अनुभव अच्छे-खराब, मीठे-कड़वे सब तरह के हो सकते हैं। लेकिन इन सब के अलावा जो सबसे महत्वपूर्ण बात है, वे हैं जीवन के सवाल, जो प्रकृति के चारों तरफ घूमते हैं तथा ये बेहतर हवा, मिट्टी, जंगल, पानी से जुड़े हैं।

इसलिए आवश्यक हो जाता है कि हम अब देश के निर्माण में मात्र विकास को ही सबसे बड़ा मुद्दा ना बनायें, बल्कि साथ में राजनीतिक दलों और राजनेताओं की बातों एवं घोषणाओं में हवा, नदी, जंगल, मिट्टी भी झलके, ताकि पांच साल के बाद जब उनके दावों और कार्यों का विवरण सामने आये, तो फिर उनसे जल, जंगल, जमीन के संरक्षण का भी हिसाब-किताब ले सकें। हमने कभी इस तरह से मुद्दे खड़े ही करने की कोशिश नहीं की, इसलिए राजनीतिक दलों के ऊपर सारा दोष नहीं मढ़ा जा सकता है। इसके लिए हम ही दोषी हैं, यह स्वीकार किया जाना चाहिए।

हमने कभी पर्यावरण को वोटों के दृष्टिकोण से मुद्दे के रूप में खड़ा करने की कोशिश ही नहीं की और यही कारण है कि दलों के घोषणापत्रों में इससे जुड़े मुद्दे नहीं आये। अब जब तेजी से सब कुछ जा रहा हो और यह खबर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भी बन चुकी हो और जंगल, नदी, मिट्टी आदि गायब हो रहे हैं, तो फिर इस देश के हर गांव का बड़ा मुद्दा इन्हीं पर केंद्रित होना चाहिए। एक बार अगर हम इन्हें मुद्दा बना लें, तो आशा की जा सकती है कि अगले पांच साल हम सुरक्षित पारिस्थितिकी के हकदार भी बनेंगे। साथ में, हम राजनीतिक दलों को उनके दायित्व के प्रति जवाबदेह भी बना पायेंगे, लोकतंत्र के लिए बुनियादी आयाम होता है।

अन्यथा राजनीतिक दलों का कोई दोष नहीं है क्योंकि चुनाव जिन मुद्दों पर लड़े जाते हैं, वे हमसे ही तय होते हैं। इसलिए अगर जान अपनी और आने वाली पीढ़ी की बचानी हैं, तो पर्यावरण को राजनीतिक मुद्दा बनाने से ना कतरायें। विकास व विनाश को अलग रखना है, तो पर्यावरण को प्राथमिक मुद्दा बनाना ही होगा, नहीं तो फिर पांच साल का लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

---

## भाजपा के सामने दक्षिण भारत की चुनौती

**विवेक शुक्ला**

पिछली 19 अप्रैल को तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हो गया। तमिलनाडु में हिंदू आबादी 87 फीसदी से अधिक है। इधर भाजपा को इस बार बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा है। भाजपा कोयंबटूर और कन्याकुमारी को छोड़कर राज्य में कहीं कोई बड़ी पकड़ नहीं बना सकी है। जानने वाले जानते हैं कि तमिलनाडु में भाजपा मजबूत नहीं हुई इसका सबसे बड़ा कारण राज्य में नेतृत्व का अभाव रहा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इस धारणा को बदल दिया है। और फिर पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई को तमिलनाडु का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद द्रविड़ पार्टी के प्रभुत्व वाले दक्षिणी राज्य में भाजपा की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अन्नामलाई राज्य में पार्टी के लिए जमीन तैयार करने में काफी हद तक सफल भी हुए हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह लगातार अन्नामलाई के नेतृत्व को अपना समर्थन देते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के सघन दौरे किए। उनकी सभाओं में भारी जनसमूह उमड़ा। उन्हें सुना गया। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी जनता को विस्तार से दी। भाजपा मतदाताओं के सामने भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति के मुद्दों को लेकर गई। अन्नामलाई ने पूरे राज्य की पदयात्रा करके भाजपा के लिए माहौल बनाया। सात महीने की लंबी यात्रा का समापन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। कोयंबटूर से खुद अन्नामलाई चुनावी मैदान में थे। अमित शाह का दावा है कि 4 जून को देश तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी चौंकाने वाले नतीजे देगा। दक्षिण भारत में लोकसभा की कुल मिलाकर 130 सीटें हैं। इसमें तमिलनाडु (39), कर्नाटक (28), आंध्रप्रदेश (25), तेलंगाना (17), केरल(20) और पुदुचेरी (1) शामिल हैं। भाजपा ने दक्षिण का किला फतह करने के लिए इस बार अपने दो बेहद तेजतर्रार मुख्यमंत्रियों क्रमशः योगी आदित्यनाथ और प्रमोद सावंत को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी है। यह दोनों ही अपने कुशल नेतृत्व के चलते उत्तर प्रदेश और गोवा को विकास की बुलंदियों पर लेकर जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ यह दोनों भी दक्षिण भारत में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में अहम रोल निभाने जा रहे हैं।

---

## सपा ने मुस्लिम यादव के बजाय दलित पिछड़ों पर क्यों लगाया दांव?

**अनिल सिंह**

क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की तरह एक जाति और एक क्षेत्र की पार्टी बनकर रह जायेगी क्यों प्रदेश की सबसे मजबूत रही समाजवादी पार्टी से जनता का भरोसा खत्म होता जा रहा है ऐसे बहुतेरे सवाल हैं जो समाजवादी पार्टी के समर्थकों को परेशान कर रहे हैं।

वर्ष 2014 के बाद से समाजवादी पार्टी का ग्राफ लगातार नीचे की ओर गिरता जा रहा है। बीते दो लोकसभा चुनावों में सपा पांच सीटों के आंकड़े से आगे नहीं बढ़ पायी है। 2014 के चुनाव में केवल मुलायम परिवार की सीटें ही निकल पायी थी, वहीं बसपा से गठबंधन के बावजूद 2019 में यादव परिवार के तीन सदस्य भी चुनाव हार गये थे।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या समाजवादी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में पांच सीटों के बैरियर को पार कर पायेगी यह सवाल इसलिए ज्यादा प्रासंगिक हैं कि टिकट वितरण को लेकर समाजवादी पार्टी में जिस तरह की उहापोह देखने को मिली, ऐसा बीते तीन दशक में कभी नहीं हुआ था। कई सीटों पर दो से तीन बार टिकट बदले गये, आरोप लगा कि अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव को गंभीरता से नहीं लड़ रहे हैं। दरअसल, 2014 के बाद से ही समाजवादी पार्टी से समर्थकों का छिटकना जारी है, और उसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है अखिलेश यादव के भीतर धैर्य की कमी एवं कार्यकर्ताओं से दूरी।

खैर, इस बार के आम चुनाव की बात करें तो ऐसा लग रहा है कि समाजवादी पार्टी दहाई के आंकड़े में पहुंच सकती है। इसके पीछे दो कारण है। पहला भाजपा का अति आत्मविश्वास तथा दूसरा सपा का गैर यादव पिछड़े एवं दलित प्रत्याशियों पर भरोसा। भाजपा ने जीत जाने के वहम में उन प्रत्याशियों को भी टिकट दे दिया है, जिनका अपने क्षेत्र में जबर्दस्त विरोध हो रहा था। भाजपा को मोदी तथा राम मंदिर का भरोसा था। उसे लग रहा था कि चुनाव आते-आते यह विरोध खत्म हो जायेगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। उत्तर प्रदेश की दर्जनों सीट पर जनता में भाजपा प्रत्याशी को लेकर नाराजगी है, जिसका सीधा फायदा समाजवादी पार्टी को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी इस बार अपने परंपरागत एमवाई यानी मुस्लिम यादव समीकरण से अलग रणनीति बनाकर भाजपा को टक्कर दे रही है। पार्टी की नजर गैर-यादव पिछड़े एवं दलित वोटरों पर है, जो फिलहाल भाजपा की ताकत हैं। सपा सबसे बड़ी सेंध भाजपा के कुर्मी वोटरों में लगा रही है। अब तक घोषित टिकटों में पार्टी ने सबसे ज्यादा नौ सीटों पर कुर्मी बिरादरी के प्रत्याशी उतारे हैं। 15 दलित वर्ग के प्रत्याशियों को भी टिकट दिये गये हैं। मेरठ और अयोध्या जैसी सामान्य सीट पर भी दलित प्रत्याशी उतारकर सपा ने भाजपा एवं बसपा दोनों खेमों में सेंधमारी की कोशिश में है। समाजवादी पार्टी की यह रणनीति सफल रही तो भाजपा को कई सीटों पर झटका लग सकता है।

समाजवादी पार्टी के परंपरागत वोटर माने जाने वाले यादव एवं मुस्लिमों के हिस्से में इस बार केवल चार-चार सीटें आई हैं। अखिलेश यादव ने इस बार अपने परिवार से बाहर किसी यादव को टिकट नहीं दिया है। मैनपुरी से डिंपल यादव, आजमगढ़ से धर्मेंद्र यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव तथा बदायूं से आदित्य यादव को उतारा गया है। ध्रुवीकरण की संभावना को न्यूनतम करने के लिए सपा ने इस बार केवल चार मुसलमानों को टिकट दिया है। कई मुस्लिम बहुल सीटों पर पिछड़े या दलित प्रत्याशी उतारे गये हैं। सपा को मुस्लिम एवं यादव वोटरों पर पूरा भरोसा है, लिहाजा उसने दूसरी जातियों का वोट जोड़ने के लिये उन जातियों के प्रत्याशी उतारे हैं। मुस्लिम प्रत्याशियों में कैराना से इकरा हसन, रामपुर से मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी, संभल से जियाउर्रहमान बर्क तथा गाजीपुर से अफजाल अंसारी शामिल हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब समाजवादी पार्टी ने इतनी कम संख्या में यादव एवं मुसलमान प्रत्याशी उतारे हैं। 2014 में पार्टी ने 14 मुसलमान प्रत्याशियों को टिकट दिया था, लेकिन कोई नहीं जीत पाया। 2019 में बसपा से गठबंधन में मिली 38 सीटों पर चार प्रत्याशी उतारे थे, जिसमें तीन प्रत्याशियों आजम खान, एसटी हसन तथा शफीकुर्रहमान बर्क ने जीत हासिल की थी। इस बार उसके खाते में 62 सीटें होने के बावजूद समाजवादी पार्टी ने केवल चार मुस्लिम प्रत्याशियों पर दांव खेला है।

कुर्मियों के अलावा निषाद, गूजर, शाक्य, सैनी, कश्यप, कुशवाहा, जाट, पासी एवं राजभर जैसी गैर-यादव ओबीसी को भी समाजवादी पार्टी ने इस बार टिकट दिया है। अब तक घोषित 57 उम्मीदवारों में सपा ने सबसे ज्यादा 29 टिकट पिछड़ा वर्ग को दिया है। 15 टिकट दलित, 9 टिकट सामान्य वर्ग तथा 4 टिकट मुस्लिमों को दिये गये हैं। इस बार अखिलेश यादव को पूरा फोकस अपने पुराने गैर-यादव ओबीसी वोटरों को वापस लाने पर है। हालांकि समाजवादी पार्टी की कई सीटों पर बसपा प्रत्याशी सेंध लगा रहे हैं, इसके बावजूद समाजवादी पार्टी ने जिस समीकरण से प्रत्याशी उतारे हैं, उसने भाजपा को भी मुश्किल में डाल रखा है। समाजवादी पार्टी को पश्चिम में कुछ सीटों पर भाजपा से नाराज क्षत्रिय वोटरों का लाभ भी मिल रहा है।

क्षत्रियों की भाजपा से नाराजगी तथा कांग्रेस से गठबंधन के चलते मुस्लिम वोटरों का एकजुट होना समाजवादी पार्टी के लिये फायदे का सौदा साबित होता दिख रहा है। गैर-यादव ओबीसी अगर भाजपा से छिटककर समाजवादी पार्टी की तरफ लौट आया तो आने वाले समय में भाजपा के लिए सियासी राह मुश्किल हो सकती है। अभी तक के रूझान के आधार पर निष्कर्ष निकालें तो समाजवादी पार्टी इस बार के चुनाव में दहाई के आंकड़े को पार करती दिख रही है। दूसरी तरफ, यह भी तय है कि इस बार अगर समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं रहा तो फिर अखिलेश यादव के लिए पार्टी को बचाये रख पाना आसान नहीं रहने वाला है।

---

## नीलगिरी में भाजपा का गणित

**नीरज कुमार दुबे**

द्रमुक नेता ए. राजा सनातन धर्म के खिलाफ लगातार विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरते रहे हैं। इसलिए जब हमारी चुनाव यात्रा तमिलनाडु के दौरे पर पहुँची तो हमने समय निकाल कर नीलगिरी संसदीय क्षेत्र का दौरा कर यह जानने का प्रयास किया कि वहां पर राजा के सनातन धर्म विरोधी बयानों का कितना असर है। हम आपको बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा आठवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन से है। प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर इस क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ। यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इस बार राजा, मुरुगन और एआईएडीएमके के लोकेश तमिलसेल्वन और नाम तमिलर काची के ए. जयकुमार के बीच चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिला।

हम आपको बता दें कि ए. राजा यहां से 2014 में लोकसभा चुनाव हार गये थे। उस समय उनके खिलाफ 2जी घोटाले का मामला बेहद गरम था। हालांकि राजा ने 2019 में इस सीट पर फिर से जीत हासिल करते हुए अन्नाद्रमुक के उम्मीदवार एम त्यागराजन को 2,00,000 के अधिक मतों के अंतर से हरा दिया था। इस निर्वाचन क्षेत्र की खास बात यह है कि यहां 25 लाख श्रीलंकाई प्रवासी भी हैं, जिन्हें भारतीय मूल के पहाड़ी तमिल कहा जाता है। चुनावों में जीत के लिए इस वर्ग का समर्थन बहुत जरूरी है।

नीलगिरी में जब हमने लोगों से बातचीत की तो सबसे बड़ी समस्या मानव और पशुओं के बीच होने वाले संघर्ष के रूप में दिखी। यहां हाथियों के आवागमन से कई तरह की समस्याएं होती हैं। सरकार का दावा है कि रेडियो कॉलर तकनीक से हाथियों पर लगातार निगरानी रखी जाती है लेकिन लोगों ने बताया कि हाथी कई बार उत्पात भी मचाते हैं। इसके अलावा हाथी गलियारे के किनारे अतिक्रमण और अवैध रिसॉर्ट्स होने की बात भी सामने आई। नीलगिरी में हमें बुनियादी ढांचा भी खराब स्थिति में नजर आया। मानव और पशु अपशिष्ट के चलते जल प्रदूषण भी यहां की समस्या है। लोगों ने सीवेज की स्थिति भी सही नहीं होने की जानकारी दी।

नीलगिरी में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि इसके अंतर्गत आने वाले ऊटी और कुन्नूर में बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। इसके चलते यहां कम बजट वाले होटलों की बाढ़ आ गयी है। होटलों और पर्यटकों की ओर से छोड़े जाने वाले ठोस कचरे के चलते पर्यावरण संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। स्थानीय लोग इस बात से खुश नहीं दिखे कि पर्यटक आकर उनके शहर को गंदा कर रहे हैं। उनका कहना था कि ना तो सरकार सफाई की ओर ध्यान दे रही है ना ही पर्यटक साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं।

यहां व्यापारियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि जीएसटी सबसे बड़ा मुद्दा है। कांग्रेस सभी वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की एक दर लागू करने और द्रमुक जीएसटी को पूरी तरह से समाप्त करने का वादा कर भाजपा पर बढ़त बनाती दिखी। वहीं युवाओं ने नौकरियों की कमी पर चिंता जताई। इस सीट पर हमें द्रमुक को बढ़त दिखी और यह भी महसूस हुआ कि भाजपा यहां अपना वोट प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब होगी क्योंकि उसने चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ा है। भाजपा यहां जितनी मजबूत होगी उतना ही अन्य क्षेत्रीय दल कमजोर होंगे।

नीलगिरी में हमने लोगों से बातचीत में पाया कि सनातन धर्म विरोधी बयानों के चलते ए. राजा से कई लोग नाराज दिखे। साथ ही 2जी विवाद भी राजा का पीछा नहीं छोड़ रहा है। भाजपा उम्मीदवार मुरुगन तो प्रचार के दौरान इस चुनाव को 2जी और मोदीजी के बीच लड़ाई बताते रहे। अन्नाद्रमुक भी राजा पर निशाना साधती रही। पार्टी के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने दावा किया है कि राजा जल्द ही जेल में हो सकते हैं। हम आपको बता दें कि भाजपा के मास्टर मथन इस सीट पर 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर चुके हैं। हालांकि वह जीत एक बार द्रमुक और एक बार अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के गठबंधन होने के चलते मिली थी। इस बार भाजपा ने जिस मजबूती के साथ चुनाव लड़ा है उससे यही प्रतीत हुआ कि यदि वह नहीं जीत पाई तो भी अन्नाद्रमुक को धकेल कर दूसरा स्थान हासिल कर सकती है।

मुरुगन ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में लगातार एक मजबूत समर्थन नेटवर्क तैयार किया है और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर जोर देते हुए सक्रिय रूप से अभियान चलाया। वह हिंदू विरोधी बयानबाजी के लिए राजा के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्होंने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा किया है। भाजपा की नजर यहां के बडागास समुदाय पर थी जोकि यहां की आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा भाजपा ने यहां वन क्षेत्र के किनारे रहने वाले 7,000 परिवारों के वोटों को भी आकर्षित किया। आप जान कर हैरान रह जाएंगे कि इन परिवारों के पास बिजली नहीं है। भाजपा ने जीतने पर उन्हें बिजली कनेक्शन देने का वादा किया है। भगवा पार्टी इस निर्वाचन क्षेत्र के छह विधानसभा क्षेत्रों में से केवल दो में मजबूत है। लेकिन, 2019 की तुलना में देखें तो वह बेहतर नजर आई।

भाजपा की पूर्व सहयोगी अन्नाद्रमुक ने लोकेश तमिलसेल्वन को यहां से मैदान में उतारा है। लेकिन उन्हें यहां ज्यादा लोग जानते ही नहीं हैं। 2019 में अन्नाद्रमुक ने नीलगिरी में 34 प्रतिशत वोट हासिल किया था। यदि यह वोट इस बार भाजपा को गया तो इस क्षेत्र में स्थिति बदल सकती है। दूसरी ओर, नाम तमिलर काची के उम्मीदवार जयकुमार भी सिर्फ वोट काटते नजर आये। हमें ऐसा भी महसूस हुआ कि इस बहुकोणीय लड़ाई के कारण डीएमके का मुख्य मतदाता आधार विभाजित हो सकता है और इससे अंततः भाजपा को फायदा हो सकता है।

---

## बेंगलुरु दक्षिण में भाजपा का गढ़ बचा लेंगे तेजस्वी सूर्या?

मीडिया की चुनाव यात्रा जब कर्नाटक के दौरे पर पहुँची तो हमने सबसे पहले भाजपा के गढ़ बेंगलुरु दक्षिण संसदीय सीट का दौरा किया क्योंकि यहां से कांग्रेस ने इस बार भाजपा के निवर्तमान सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ एक युवा चेहरे को अवसर दिया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को जब 2019 में पहली बार लोकसभा का टिकट दिया गया था तब बहुत से लोगों को हैरानी हुई थी। उस समय स्वर्गीय अनंत कुमार की पत्नी अपने पति के संसदीय क्षेत्र बेंगलुरु दक्षिण से उम्मीदवारी चाह रहीं थीं और उनके नाम का प्रस्ताव कर्नाटक प्रदेश भाजपा ने भी किया था लेकिन आलाकमान ने तेजस्वी सूर्या के रूप में एक नया चेहरा चुन लिया। तेजस्वी के नाम पर कर्नाटक इकाई में जब मतभेद की खबरें सामने आई थीं तो खुद अमित शाह उनके चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने के लिए आ गये जिससे पूरी पार्टी तेजस्वी के साथ खड़ी हो गयी और उन्होंने रिकॉर्डतोड़ मतों से जीत हासिल की। इस बार तेजस्वी सूर्या एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं और उनका मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार सौम्या रेड्डी से होगा। 41 साल की सौम्या राज्य सरकार में मंत्री रामलिंगा रेड्डी की बेटी हैं। वह पहले बेंगलुरु दक्षिण संसदीय सीट के अंतर्गत आने वाले जयनगर में विधायक रह चुकी हैं। वह पिछले साल विधानसभा चुनाव में मात्र 16 वोटों से हार गयी थीं। जहां तक बेंगलुरु दक्षिण संसदीय सीट की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि यहां भाजपा बेहद मजबूत है। आठ विधानसभा क्षेत्रों में फैला बेंगलुरु दक्षिण 1991 से भाजपा का गढ़ रहा है। 2023 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने इस संसदीय क्षेत्र की पांच और कांग्रेस ने तीन में जीत हासिल की थी। हम आपको बता दें कि 1977 के बाद से कांग्रेस यहां केवल एक बार जीत पाई है जब पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत आर गुंडू राव 1989 के चुनाव में विजयी हुए थे। महत्वपूर्ण ब्राह्मण आबादी वाले इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व ज्यादातर इसी समुदाय के सदस्यों द्वारा किया गया है। हमने भी जब यहां के लोगों से बातचीत की तो एक चीज उभर कर आई कि जनता मोदी के नाम पर वोट करने जा रही है। तेजस्वी सूर्या के प्रति लोगों का सकारात्मक रुख था लेकिन उससे भी ज्यादा इस बात पर लोगों का जोर था कि देश का प्रधानमंत्री एक बार फिर नरेंद्र मोदी को बनना चाहिए। तेजस्वी सूर्या एक बार फिर अपनी बड़ी जीत के प्रति आश्वस्त हैं तो दूसरी ओर कर्नाटक में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने सौम्या के पीछे अपनी पूरी ताकत लगा दी है और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार कांग्रेस उम्मीदवार की चुनावी संभावनाओं को बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कांग्रेस अपनी पांच गारंटियों पर भारी भरोसा कर रही है और परिवहन मंत्री की बेटी होने के नाते सौम्या इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि कैसे शक्ति गारंटी ने महिलाओं को राज्य भर में गैर-लक्जरी सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दी है। प्रचार के दौरान सौम्या लोगों को चार अन्य गारंटी गृह लक्ष्मी, गृह ज्योति, युवा निधि और अन्न भाग्य के बारे में भी बता रही हैं। दूसरी ओर, भाजपा उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या मतदाताओं के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं और इस दौरान पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश द्वारा की गई प्रगति को रेखांकित कर रहे हैं और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए मोदी के नाम पर वोट मांग रहे हैं। तेजस्वी सूर्या अपनी सभाओं में मतदाताओं को बता रहे हैं कि कैसे दस साल पहले भारत को दुनिया की सबसे नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था लेकिन अब देश को दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता है। हम आपको बता दें कि तेजस्वी के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी सोशल मीडिया से लेकर गलियों तक में प्रचार करने में जुटे हुए हैं। इसके अलावा आरएसएस के आनुषांगिक संगठन भी भाजपा उम्मीदवारों की जीत के लिए अपने-अपने स्तर पर बैठकें कर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि चार लोकसभा सीटों वाले बेंगलुरु में 26 अप्रैल को मतदान होगा और नतीजे 4 जून को घोषित होंगे। कर्नाटक की 28 सीटों पर 26 अप्रैल और 7 मई को दूसरे और तीसरे चरण के दौरान चुनाव होंगे।

# क्यों है रामलला की मूर्ति का रंग काला?

## जानें इसके पीछे का रहस्य

प्रभु श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या राम नाम से जगमगा रही है। सोमवार 22 जनवरी के दिन प्रभु की मूर्ति की प्राण पर प्रतिष्ठा होनी है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 16 जनवरी से शुरू हो गया था। श्री राम के बाल रूप स्वरूप में मूर्ति का निर्माण किया गया है, जो श्यामल रंग की है। ऐसे में कई लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि आखिर भगवान श्री राम की मूर्ति काले रंग की ही क्यों बनाई गयी है। इसलिए आइए जानते हैं क्या है भगवान राम की मूर्ति के रंग के पीछे का रहस्य-

### काला रंग ही क्यों?

महर्षि वाल?मीकि रामायण में भगवान श्री राम के श्यामल रूप का वर्णन किया गया है। इसलिए प्रभु को श्यामल रूप में पूजा जाता है। वहीं, श्री राम की मूर्ति का निर्माण श्याम शिला के पत्थर से किया गया है। यह पत्थर बेहद खास है। श्याम शिला की आयु हजारों वर्ष मानी जाती है। यही वजह है की मूर्ति हजारों सालों तक अच्छी अवस्था में रहेगी और इसमें किसी भी तरह का बदलाव नहीं आएगा। वहीं, हिंदू धर्म में पूजा पाठ के दौरान अभिषेक किया जाता है। ऐसे में मूर्ति को जल, चंदन, रोली या दूध जैसी चीजों से भी नुकसान नहीं पहुंचेगा।

### बालस्वरूप में क्यों बनाई गई प्रतिमा?

मान्यताओं के अनुसार, जन्म भूमि में बाल स्वरूप की उपासना की जाती है। इसीलिए भगवान श्री राम की मूर्ति बाल स्वरूप में बनाई गयी है।

### प्राण प्रतिष्ठा जरूरी

प्राण प्रतिष्ठा प्रक्रिया का मतलब है मूर्ति में प्राण डालना। बिना प्राण प्रतिष्ठा के मूर्ति पूजन पूर्ण नहीं माना जाता है। मूर्ति में प्राण डालने के लिए मंत्र उच्चारण के साथ देवों का आवाहन किया जाता है। इसलिए जिस प्रतिमा को पूजा जाता है उसकी प्राण प्रतिष्ठा करना जरूरी माना जाता है।

# पृथ्वी की रक्षा के लिए मां दुर्गा ने लिया था शाकंभरी अवतार

## जानिए पूजा विधि और महत्व

**हिंदू पंचांग के मुताबिक हर साल पौष मास की पूर्णिमा तिथि को शाकंभरी जयंती मनाई जाती है। इसलिए इसको शाकंभरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस साल 25 जनवरी 2024 को शाकंभरी पूर्णिमा मनाई जा रही है। आपको बता दें कि मां शाकंभरी के शरीर की कांति नीले रंग की है। मां शाकंभरी के नेत्र नीलकमल के समान है।**

शिवजी को पति रूप में पाने के लिए मां पार्वती ने कठोर तप किया। उन्होंने जीवित रहने के लिए शाक-सब्जियां खाई थीं। इस कारण मां पार्वती का नाम शाकंभरी पड़ा।

हिंदू पंचांग के मुताबिक हर साल पौष मास की पूर्णिमा तिथि को शाकंभरी जयंती मनाई जाती है। इसलिए इसको शाकंभरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। आपको बता दें कि मां शाकंभरी के शरीर की कांति नीले रंग की है। मां शाकंभरी के नेत्र नीलकमल के समान है।

बता दें कि मां की नाभि नीची है और त्रिवली से विभूषित मां का उदर सूक्ष्म है। मां शाकंभरी कमल के फूल में निवास करती हैं। उनके हाथों में बाण, प्रकाशमान और शाकसमूह धारण करती है। मां शाकंभरी को गौरी, सती, चण्डी, उमा, कालिका और पार्वती आदि नामों से भी पुकारा जाता है।

### मां शाकंभरी का स्वरुप

मां शाकंभरी को वनस्पतियों और शाक-सब्जियों की देवी कहा गया है। यह मां पार्वती का स्वरूप हैं। इनको अनकों नामों से जाना जाता है। मां शाकंभरी को शताक्षी और वनशंकरी भी कहा जाता है। शाकंभरी माता को भागवत महापुराण में देवी दुर्गा का ही स्वरूप बताया गया है। भागवत महापुराण के मुताबिक शिवजी को पति रूप में पाने के लिए मां पार्वती ने कठोर तप किया। मां पार्वती ने अन्न-जल का त्याग कर दिया था। तब उन्होंने जीवित रहने के लिए शाक-सब्जियां खाई थीं। इस कारण मां पार्वती का नाम शाकंभरी पड़ा।

वहीं अन्य पौराणिक कथा के मुताबिक जब पृथ्वी पर सौ वर्षों तक वर्षा नहीं हुई। तब मुनियों व तवस्वियों ने मानव जनजीवन के कष्टों को देखते हुए मां से प्रार्थना की। तब मां शाकंभरी ने अपने शरीर से उतपन्न शाकों द्वारा इस संसार का भरण-पोषण किया। इस तरह से मां शाकंभरी ने सृष्टि को नष्ट होने से बचाया। इसलिए शाकंभरी जयंती के मौके पर फल-फूल और हरी सब्जियों का दान करना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है।

### पूजा का महत्व

पौष पूर्णिमा के दिन जो भी व्यक्ति मां शाकंभरी की पूजा विधिविधान से करता है। वह जल्द ही अन्न, पान और अमृतरूप अक्षत फल प्राप्त करता है। भक्ति और श्रद्धाभाव से की गई मां की उपासना से व्यक्ति के सभी मनोरथ पूरे होते हैं। साथ ही जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाती है।

### ऐसा करें पूजा

इस दिन सुबह स्नान आदि कर सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें और फिर मां शाकंभरी का ध्यान करें। एक लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर मां शाकंभरी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद मां को मौसमी सब्जियां और ताजे फल अर्पित करें। इसके बाद विधि-विधान से पूजा करें और प्रसाद में फल, शाक, सब्जी, मिश्री, हलवा-पूरी और मेवे आदि का भोग लगाएं। फिर आरती कर पूजा में हुई भूलचूक के लिए क्षमा मांगे। पौष पूर्णिमा के दिन भगवान मधुसूदन की पूजा करने से विशेष आशीर्वाद मिलता है।

### मां शाकंभरी की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, पृथ्वी पर कई वर्षों तक बारिश न होने के कारण भयंकर अकाल पड़ गया। जिसके कारण लोग जल को तरसने लगे। तब सभी भक्तों ने मां दुर्गा ने इस समस्या को खत्म करने के लिए प्रार्थना की। प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी दुर्गा ने शाकंभरी का अवतार लिया। फिर मां शाकंभरी के सौ नेत्रों से लगातार 9 दिनों तक पानी बरसता रहा। इससे पृथ्वी पर सूखे की समस्या खत्म हो गई और एक बार फिर पृथ्वी हरी-भरी हो गई। वहीं मां शाकंभरी अपने सौ नेत्रों के कारण शताक्षी कहलाई।

● अनन्या मिश्रा

# दानवता की शक्ति की प्रबलता को निर्बल व परास्त करने हेतु कूर्म अवतार

भगवान विष्णु के सभी अवतारों में अत्यंत प्रमुख कूर्म अवतार है। श्री विष्णु का यह दूसरा अवतार है। समुद्र मंथन के समय जब मंद्राचल पर्वत समुद्र में धसने लगा तो भगवान ने उसका भार अपने पीठ पर कूर्म बनकर धारण किया। प्रभु श्रीराम भी भगवान विष्णु के अवतार हैं। बहुत खुशी की बात है कि 22 जनवरी को कूर्म द्वादशी का व्रत है और प्रभु श्रीराम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हो रही है। यह अद्भुत व विलक्षण दैवी संयोग है। कूर्म अवतार में भगवान कूर्म मंदराचल पर्वत का भार पीठ पर उठाये थे और संपूर्ण मानवता का भार प्रभु श्री राम के ही अपने कंधों पर टिका हैं। यह गहरी मनन-चिंतन का विषय है। धार्मिक मान्यता के अनुसार संपूर्ण धरती कूर्म के पीठ पर टिका है। कूर्म का शाब्दिक अर्थ कछुआ होता है। सभी अवतारों का प्रयोजन विशेष रहा है। अवतारों के पीछे भगवान विष्णु का संकल्प धर्म, सत्य, नीति, न्याय व सत्कर्म को स्थापित करना तथा अधर्म, अनीति, अन्याय, कुकर्म,

अत्याचार, असत्य को नष्ट करना है। 22 जनवरी सोमवार के दिन कूर्म जयंती का पावन व्रत है। हिंदु धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने कूर्म यानि कछुए का अवतार लिया था और मंदराचल पर्वत को अपनी पीठ पर धारण करके समुद्र मंथन में सहायता की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस अवतार में भगवान के कच्छप रूप के दर्शन होते हैं। कूर्म अवतार का संबंध समुद्र मंथन के प्रयोजन से ही हो पाया। धर्म ग्रंथों में निहित कथा है कि दैत्यराज बलि के शासन में असुर दैत्य व दानव बहुत शक्तिशाली हो गए थे और उन्हें दैत्यगुरू शुक्राचार्य की महाशक्ति भी प्राप्त थी। देवता उनका कुछ भी अहित न कर सके; क्योंकि एक बार अपने घमंड में चूर देवराज इन्द्र को किसी कारण से नाराज हो कर महर्षि दुर्वासा ने श्राप देकर श्रीहीन कर दिया था। जिस कारण इन्द्र शक्तिहीन हो गये थे। इस अवसर का लाभ उठाकर दैत्यराज बलि नें तीनों लोकों पर अपना राज्य स्थापित कर लिया और इन्द्र सहित सभी देवतागण भटकने लगे।

सभी देवता ब्रह्मा जी के पास जाकर प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस संकट से बाहर निकालें। तब ब्रह्मा जी संकट से मुक्ति के लिए देवताओं समेत भगवान विष्णु जी के समक्ष पहुँचते हैं और भगवान विष्णु को अपनी विपदा सुनाते हैं। देवगणों की विपदा सुनकर भगवान विष्णु उन्हें दैत्यों से मिलकर समुद्र मंथन करने के लिए सलाह देते हैं और बताते हैं कि क्षीरसागर को मथकर देवता उसमें से अमृत निकाल कर उस अमृत का पान कर लें और अमृत पीकर वह अमर हो जाएंगे तथा उनमें दैत्यों को मारने का सामर्थ्य आ जायेगा। भगवान विष्णु के आदेश के अनुसार इंद्र दैत्यों के साथ मिलकर समुद्र मंथन करने के लिए तैयार हो जाते हैं। समद्र मंथन करने के लिए मंदराचल पर्वत को मथानी एवं नागराज वासुकि को नेती बनाया जाता है। मंदराचल को उखाड़कर उसे समुद्र की ओर ले चले तथा जब मंदराचल पर्वत को समुद्र में डाला जाता है तो वह डूबने लगता है। तब भगवान श्री विष्णु कूर्म अर्थात कच्छप अवतार लेकर समुद्र में जाकर मंदराचल पर्वत को अपने पीठ पर रख लेते हैं। समस्त लोकपाल, दिक्पाल उनकी कूर्म आकृति में स्थित हो जाते हैं और भगवान कूर्म की विशाल पीठ पर मंदराचल तेजी से घुमने लगा तथा इस प्रकार समद्र मंथन संपन्न हो सका। शुक्ल पक्ष पौष द्वादशी के दिन भगवान विष्णु जी ने कूर्म का रूप धारण किया था। उसी तिथि को कूर्म जयंती के रूप मनाया जाता है। इस तिथि की शास्त्रों नें बहुत महता मानी गई है। इस दिन से निर्माण संबंधी कार्य शुरू किया जाना बेहद शुभ माना जाता है, क्योंकि योगमाया स्तम्भित शक्ति के साथ कूर्म में निवास करती है। कूर्म जयंती के अवसर पर वास्तुदोष दूर किए जा सकते हैं, नया घर, भूमि आदि के पूजन के लिए यह सबसे उतम समय होता है तथा बुरे वास्तु को शुभ में बदला जा सकता है।

■ मुकेश ऋषि

# क्या आप जानते हैं श्री राम के धनुष का नाम?

**मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था। यही कारण है कि भगवान राम को कोदंड नाम से भी जाना जाता था। कोदंड का अर्थ बांस से निर्मित होता है। माना जाता है कि भगवान श्री राम के पास 5.5 हाथ लंबा धनुष था।**

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के भक्त हमेशा प्रभु के बारे में जानना चाहते हैं। आपने भगवान राम के बारे में बहुत सी कथाओं में पड़ा भी होगा। हालांकि, आज हम आपको भगवान राम के बारे में नहीं बल्कि उनके धनुष के बारे में बताने वाले हैं। हर पड़ाव परश्री रामके साथ नजर आने वाले इस धनुष को चम्तकारी बताया जाता है।

### क्या है श्री राम के धनुष का नाम

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था। यही कारण है कि भगवान राम को कोदंड नाम से भी जाना जाता था। कोदंड का अर्थ बांस से निर्मित होता है। माना जाता है कि भगवान श्री राम के पास 5.5 हाथ लंबा धनुष था। इस धनुष को देवता धनुष भी कहा जाता था क्योंकि इसे जब भी छोड़ा जाता था, वो कभी विफल नहीं होता था।

एक दफा भगवान राम ने पिनाक धनुष को तोड़ा भी था। दरअसल भगवान शिव के पास एक बहुत शक्तिशाली धनुष हुआ करता था। शिव पुराण में बताया गया है कि यह धनुष बहुत विशालकाय था इसलिए इसे कोई भी नहीं उठा पाता था, लेकिन भगवान राम ने इसे उठाकर तोड़ दिया था।

### जानें कोदंड धनुष की खासियत

कोदंड धनुष से छोड़ा गया हमेशा लक्ष्य प्राप्त करता था। इसी धनुष की मदद से भगवान राम ने लंका जाने के लिए समुद्र पर तीर छोड़े और उसके पानी को सुखा दिया था। राक्षसों का वध करते वक्त भी इस धनुष बाण ने प्रभु राम की बहुत मदद की। इस चमत्कारी धनुष के नाम से भारत में एक मंदिर भी बना हुआ है।

### रावण के धनुष का नाम भी जानें

पौराणिक कथाओं के मुताबिक रावण के पास भी एक धनुष था जिसका नाम पौलत्स्य था। ऐसा भी माना जाता है कि एक समय पर रावण ने भगवान शिव जी की आराधना कर उनसे पिनाक भी प्राप्त किया था, लेकिन रावण उसे धारण नहीं कर पाया था।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी के साथ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## राजनाथ सिंह ने सियाचिन का दौरा किया

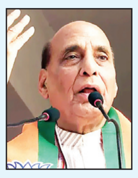

**श्रीनगर।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का सोमवार को दौरा किया और क्षेत्र में भारत की समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सिंह ने सियाचिन का दौरा ऐसे समय में किया जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में भारतीय सेना की मौजूदगी को एक सप्ताह पहले 40 वर्ष हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ क्षेत्र में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सिंह ने सियाचिन में तैनात सैनिकों से भी बातचीत की। काराकोरम पर्वतीय श्रृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जहां सैनिकों को शीतदंश और तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन मेघदूत' के तहत अप्रैल, 1984 में सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया था। भारतीय सेना ने पिछले कुछ वर्षों में सियाचिन में अपनी मौजूदगी मजबूत की है।

## केजरीवाल के लिए राहत मांगना पड़ा महंगा

**नईदिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनके कार्यकाल के पूरा होने तक प्रवर्तन निदेशालय और राज्य द्वारा दर्ज सभी आपराधिक मामलों में असाधारण अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने याचिकाकर्ता पर रू. 75,000 का जुर्माना भी लगाया और कहा कि आम आदमी पार्टी नेता अदालत के आदेशों के आधार पर न्यायिक हिरासत में हैं। अदालत ने कहा कि चौथे वर्ष के कानून के छात्र द्वारा वी द पीपल ऑफ इंडिया के नाम से दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है क्योंकि अपने रिट क्षेत्राधिकार में अदालतें उच्च पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ लंबित मामलों में असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दे सकती हैं। याचिका में दावा किया गया कि केजरीवाल की सुरक्षा खतरे में है क्योंकि वह तिहाड़ जेल में कट्टर अपराधियों के साथ बंद हैं, जो बलात्कार, डकैती, हत्या और बम विस्फोट जैसे मामलों में अभियोजन का सामना कर रहे हैं।

## बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में ममता सरकार को बड़ा झटका

**कोलकाता।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को नौकरी घोटाले के मामले में पश्चिम बंगाल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएससी) द्वारा गठित स्कूल शिक्षकों के लिए 2016 के पूरे भर्ती पैनल को रद्द कर दिया। करीब 24,000 नौकरियाँ कोर्ट ने ख़ारिज कर दी हैं। सुनवाई के दौरान, जस्टिस देबांगसु बसाक और मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने कहा कि जिन स्कूल शिक्षकों को अवैध रूप से (खाली ओएमआर शीट) भर्ती किया गया था, उन्हें चार सप्ताह के भीतर अपना वेतन वापस देना होगा। इन शिक्षकों से पैसा वसूलने का जिम्मा जिलाधिकारी को सौंपा गया है। रद्द किए गए भर्ती पैनल में बंगाल के विभिन्न राज्य-सरकार प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 2016 में डब्ल्यूबीएससी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से नियुक्त शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सभी नियुक्तियां शामिल हैं। पीठ ने भर्ती परीक्षा की 23 लाख ओएमआर शीट (टेस्ट पेपर) के पुनर्मूल्यांकन का भी आदेश दिया।

## परिवारवाद पर घिरे तेजस्वी यादव का पलटवार

**पटना।** जनता दल-यूनाइटेड के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव पर व्यक्तिगत कटाक्ष करने के कुछ घंटों बाद, उनके बेटे और पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। कटिहार में एक रैली में लालू यादव पर नीतीश कुमार के कटाक्ष के बाद मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि व्यक्तिगत टिप्पणी करने से बिहार में लोगों को मदद नहीं मिलेगी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में आगे नीतीश कुमार को अपना अभिभावक बताते हुए कहा, वह जो कुछ भी कहते हैं वह हमारे लिए आशीर्वाद है। पलटवार में तेजस्वी यादव ने कहा कि वह हमसे कुछ भी कह सकते हैं। वह जो भी कहते हैं वह मेरे लिए आशीर्वाद की तरह है... लेकिन बात यह है कि क्या ऐसी व्यक्तिगत टिप्पणियों से बिहार के लोगों को फायदा होगा? चुनाव में मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। उनके लिए ऐसे भाषण कौन लिख रहा है? उन्हें शिक्षा, रोजगार और पलायन रोकने पर बोलना चाहिए।

## मोदी के बयान पर सियासी घमासान, सिब्बल का तंज

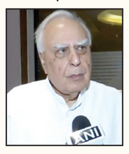

**नईदिल्ली।** विपक्षी सांसद कपिल सिब्बल और असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम नरेंद्र मोदी के राजस्थान भाषण पर हमला बोला है, जहां उन्होंने कहा था कि अगर सत्ता में वोट दिया गया, तो कांग्रेस लोगों के धन को अधिक बच्चों वाले लोगों और घुसपैठियों के बीच वितरित करेगी, जैसा कि उन्होंने मुसलमानों का जिक्र करना चाहा था। राज्यसभा सदस्य सिब्बल ने कहा कि यह बयान भाजपा के अनुमान से प्रेरित प्रतीत होता है कि 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान उनके पक्ष में नहीं गया। कपिल सिब्बल ने कहा कि हाल ही में पीएम मोदी ने जो भाषण दिया, उससे लग रहा है कि पहले चरण का चुनाव उनके पक्ष में नहीं रहा। उस भाषण के बाद मुझे लगता है कि बहुत से लोग निराश होंगे...जो दर्शाता है कि यहां रहने वाले अल्पसंख्यक घुसपैठिये हैं। यह कैसी राजनीति और संस्कृति है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नफ़रत के घोड़े का दूल्हा बन कर आप कभी हिंदुस्तान को बदनाम नहीं रख सकते।

### भाजपा में ईसाई समुदाय का विश्वास हुआ मजबूत, नरेंद्र मोदी बोले-

# केरल में यूडीएफ और एलडीएफ के झूठ से तंग आ चुके हैं लोगः प्रधानमंत्री

**तिरुवनंतपुरम।** प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केरल में ईसाई राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) दोनों के झूठ से तंग आ गए हैं। एलडीएफ वर्तमान में राज्य में सत्ता में है और कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है। जबकि दोनों दल और उनके गठबंधन राज्य में टकराते हैं, वे दोनों 2024 के आम चुनावों के लिए भारत गुट का हिस्सा हैं। 26 अप्रैल को केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर होने वाले दूसरे दौर के मतदान से पहले, मोदी ने एशियानेट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में ईसाई समुदाय का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समुदाय गोवा और पूर्वोत्तर भारत में पार्टी को वोट दे रहा है, जहां ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि ईसाई समुदाय एलडीएफ और यूडीएफ के झूठ से तंग आ चुका है... ईसाई समुदाय का हम पर भरोसा मजबूत हुआ है और हम उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास करते रहेंगे। हाल के वर्षों में, भाजपा ने केरल में ईसाई समुदाय को लुभाने की कोशिश की है, जो राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में प्रभावशाली है। मौजूदा चुनावों में, भाजपा को पहली बार ऐसे राज्य में एक सीट जीतने की उम्मीद है, जहां एलडीएफ और यूडीएफ गुटों के बीच एकाधिकार बना हुआ है। साक्षात्कार में, मोदी ने कहा कि भाजपा के कई मुख्यमंत्री ईसाई हैं और उन्होंने कहा कि वह अक्सर समुदाय के नेताओं से मिलते हैं और क्रिसमस उत्सव का आयोजन करते हैं। मोदी ने कहा, केरल के सामुदायिक नेताओं का कहना है कि राज्य में चर्च की संपत्तियों को एलडीएफ और यूडीएफ के कारण संकट का सामना करना पड़ रहा है। मोदी ने तटीय राज्य के मछुआरों की मदद के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। कांग्रेस और वाम नेतृत्व वाले गुटों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं और एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। मोदी ने राज्य

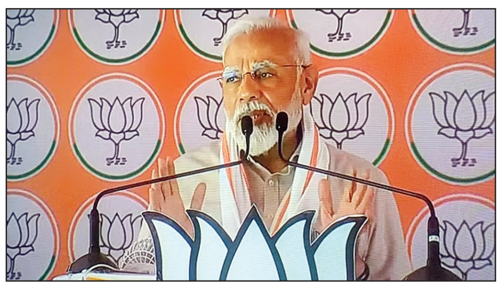

की वाम मोर्चा सरकार पर भी हमला बोला और वामपंथी समूहों द्वारा संचालित सहकारी बैंकों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मुद्दा उठाया।

### पीएम मोदी ने विपक्षियों पर किए जमकर वार बोले- लगा दें उनके किस्मत पर ताला

**अलीगढ़।** अलीगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से अनूप वाल्मीकि के समर्थन में पीएम नरेंद्र मोदी आज शहर के नुमाइश ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने मंच से राधे-राधे से संबोधन की शुरूआत की। बोलने के लिए जनता से इजाजत मांगी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए जनता जनार्दन ही भगवान है। सपा-कांग्रेस के परिवारवाद और तुष्टीकरण पर ऐसा ताला लगाया कि दोनों शहजादों को उसकी चाबी भी नहीं मिल रही। अच्छे भविष्य की चाबी भी जनता के पास है। देश को गरीबी, भ्रष्टाचार, परिवारवादी राजनीति से मुक्त कराने का समय आ गया है। इसके लिए जरूरी है फिर एक बार मोदी सरकार।

गर्मी है, सुबह-सुबह जलपान से पहले मतदान करें। देश के लिए मतदान करना जरूरी है। पहले आतंकवादी गतिविधि देखी जाती थीं, पहले अनजान वस्तुओं को छूने के लिए मना करना सुना जाता था। मोदी-योगी का कमाल है कि सारा बंद हो गया। गैंगवार, बलात्कार, गुंडागर्दी सपा सरकार के ट्रेडमार्क थे। योगी की सरकार में सब खत्म हो गया। जब मैं पश्मांदा मुस्लमानों की बात करता हूं तो विपक्षियों के बाल खड़े हो जाते हैं। तीन तलाक से महिला, उनके परिवार वाले परेशान थे। मोदी ने तीन तलाक कानून लाकर उनका जीवन बचाया है। पीएम मोदी ने बताया कि पहले माता-बहनें अकेले हज करने नहीं जा पाती थीं, अब वह बिना मेहरम के हज जा सकती हैं। कांग्रेस सरकार में गरीब को पूरा पैसा देकर भी पूरा राशन नहीं मिलता था। आज अलीगढ़-हाथरस के लोगों को पूरा और मुफ्त राशन मिल रहा है। फ्री इलाज मिल रहा है। मोदी ने गारंटी दी है कि आपके परिवार के 70 साल से ऊपर के बुजुर्ग के 5 लाख तक के इलाज की सुविधा यह बेटा करेगा। ये सब मोदी ने नहीं आपके एक वोट ने किया। इसके पुण्य के आप ही हकदार है। 10 साल में जो किया वह तो ट्रेलर है, हमें तो अभी बहुत काम करना है। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ में हवाई अड्डा बन गया। ये एएमयू तो थी यहां, अब यहां राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी का काम भी पूरा होने वाला है। ये मोदी है, जो आपके लिए जीता है, वो रूकना जानता नहीं। आपका सपना ही मेरा संकल्प है। मेरा पल-पल आपके, देश के नाम है। 24 घंटे सातों दिन आपके लिए है। न मोदी थकने वाला है, न रूकने वाला है। ये इंडी गठबंधन वाले निराशा में डूबे हैं। ये कहते हैं मोदी भारत को तीसरी बड़ी शक्ति बनाने की बात क्यों करता है। ये लोग जनता से छलावा करते है। मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि गठबंधन की नजर आपकी कमाई पर है। इनके शहजादे ने कहा है कि इनकी सरकार आई तो किसके पास कितनी संपत्ति है की जांच कराएंगे। सरकार आपकी संपत्ति को लेकर बांट देंगे।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पहले चरण के किसी भी सीट पर विपक्षियों का खाता भी नहीं खुलेगा। राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी के शिलान्यास के लिए पीएम मोदी स्वयं आए थे, जिसका अब सत्र भी शुरू हो गया है। जिन सपा, बसपा, कांग्रेस के लोगों ने विकास से वंचित रखा, चुनाव के माध्यम से उनकी किस्मत पर अलीगढ़ का ताला लगाकर पीएम मोदी को तीसरी बार पीएम बनाएं।

# बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेरा

### राहुल ने कहा- झूठ के कारोबार का अंत निकट

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जहरीली भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया गया है कि पीएम मोदी के पास वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कई रणनीतियां है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि झूठ के कारोबार का अंत अब निकट है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के लिए पीएम मोदी को घेरा है।

पीएम मोदी द्वारा संपत्ति के पुनर्वितरण वाली टिप्पणी को लेकर रविवार की रात कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में निराशा का सामना करने के बाद प्रधानमंत्री अब झूठ का सहारा ले रहे हैं। वह लोगों को वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए घृणास्पद भाषण दे रहे हैं।

सोमवार को कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी पर एक वीडियो शेयर किया। इस पर टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी ने कहा, देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है और पीएम मोदी कह रहे हैं कि सब ठीक है। उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी के पास वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कई नई रणनीतियां है। लेकिन अब जूठ के कारोबार का अंत निकट आ गया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कई मुद्दों पर पीएम मोदी जहरीली भाषा का इस्तेमाल करते हैं। रमेश ने आगे कहा, पीएम मोदी को एक आसान सवाल का जवाब देना चाहिए,। 1951 से हर साल जनगणना होती आ रही है। इससे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आबादी का डेटा सामने आता है। इसे 2021 में भी हो जाना चाहिए था, लेकिन आजतक नहीं हुआ। जयराम रमेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को नष्ट करने का षड़यंत्र है।

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर हमला तब तेज किया, जब उन्होंने (पीएम मोदी) कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह वह लोगों की संपत्ति को मुसलमानों में फिर से वितरित कर देगी। इसी के साथ पीएम मोदी ने  पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की टिप्पणी क हवाला देते हुए कहा कि देश की संपत्ति पर सबसे पहला दावा अल्पसंख्यक समुदाय का होता है। राजस्थान के बांसवाड़ा में रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस की योजना लोगों की गाढ़ी कमाई और कीमती सामान घुसपैठियों और जिनके अधिक बच्चे हैं, उन्हें देने की है।

### कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के 38 उम्मीदवारों की सूची जारी

आंध्र प्रदेश में 13 मई को चुनाव होना है। लोकसभा चुनाव के साथ राज्य चुनाव के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। वहीं कांग्रेस ने भी मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। सोमवार को जारी इस सूची में 38 उम्मीदवारों के नाम हैं। बता दें कि राज्य विधानसभा चुनावों में कुल 175 निर्वाचन क्षेत्र भी हैं। कांग्रेस ने श्रीकाकुलम से अंबति कृष्णा राव, बोब्बिली से मरिपि विद्यासागर, गजापति नगरम से दोरा श्रीनिवासन को टिकट दिया है। वहीं रविवार को भी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए आंध्र प्रदेश की 9 सीटों और झारखंड की दो सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। आंध्र प्रदेश में कुल 25 लोकसभा सीटें हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

## डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीता

**टोरंटो (कनाडा)।** भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में चल रहे कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने।

वह विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय भी हैं। गुकेश ने 14वें और अंतिम राउंड में अमेरिकी हिकारू नाकामुरा के साथ आसान ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट को 14 में से नौ अंकों के साथ समाप्त किया। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट विश्व चैंपियन के लिए चुनौती तय करने के लिए आयोजित किया जाता है। इस जीत के साथ ही गुकेश मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को इस साल के आखिर में होने वाले मुकाबले में चुनौती दे सकेंगे। चेन्नई के इस युवा चेस खिलाड़ी ने कास्पारोव के रिकॉर्ड को काफी हद तक बेहतर कर दिया। रूस के पूर्व महान कास्पारोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1984 में हमवतन अनातोली कारपोव के साथ भिड़ने के लिए क्वालिफाई किया था। गुकेश ने जीत के बाद कहा, बहुत राहत मिली और बहुत खुशी हुई। मैं फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनियाच्ची के खेल को भी फॉलो कर रहा था (ये दोनों भी दावेदार थे और एक अलग मैच में एक दूसरे से भिड़ रहे थे)। इसके बाद मैंने एक और खिलाड़ी ग्रेगोरज गाजेव्स्की से बातचीत की, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली। गुकेश ने टूर्नामेंट जीतने के साथ 88,500 यूरो (लगभग 78.5 लाख रुपये) का नकद पुरस्कार भी जीता। उम्मीदवारों की कुल पुरस्कार राशि 5,00,000 यूरो थी। गुकेश महान विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय बने।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 560 अंक चढ़ा निफ्टी 22,336 पर बंद

**नईदिल्ली।** मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने पर चिंता कम होने के कारण वैश्विक बाजारों में तेजी को देखते हुए भारतीय शेयर सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बिकवाली के बाद खरीदारी की वजह से बाजार चढ़कर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव के मुकाबले चढ़कर 73,666.51 पर खुला। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 560.29 अंक या 0.77 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 73,648.62 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.86 प्रतिशत या 189.40 अंक की बढ़त के साथ 22,336.40 अंक लेवल पर क्लोज हुआ। मिडिल ईस्ट में संघर्ष को लेकर चिंताओं और अमेरिकी दर में कटौती में देरी के कारण पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगभग 1.6त्न की गिरावट आई। इन चिंताओं ने पिछले सप्ताह एशियाई बाजारों को भी 3.7 फीसदी नीचे धकेल दिया। सोमवार को इनमें 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

## निफ्टी छू सकता है 1 लाख का जादुई स्तरः विकास खेमानी

**नईदिल्ली।** 2024 भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए अभी तक मिलाजुला रहा है। लेकिन कारेलियन एसेट मैनेजमेंट एंड एडवाइजर्स के संस्थापक विकास खेमानी आशावादी हैं। उनका मानना है कि भारतीय बाजार में निवेशकों के लिए धन कमाने का अभी सुनहरा अवसर है। विश्लेषक मानते हैं कि भले ही 2024 में बाजार रिटर्न थोड़ा कम रहे, फिर भी उतार-चढ़ाव बने रह सकते हैं। इसका कारण भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में अप्रत्याशित महंगाई बढ़ना हो सकता है, जिनका पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन लंबी अवधि की बात करें तो भारत का बाजार काफी मजबूत दिख रहा है। 2035 तक भारतीय बाजार का आकार 4 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 18-20 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही निफ्टी 50 भी 2035 तक 100,000 अंक तक पहुंचने का अनुमान है।

## चिकित्सा उत्पाद क्षेत्र में भारत की भूमिका अद्वितीय अवसर

**नईदिल्ली।** अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के प्रमुख ने हर साल आयोजित किये जाने वाले भारत-अमेरिका बायोफार्मा एवं स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन से पहले कहा कि चिकित्सा उत्पाद क्षेत्र में भारत की भूमिका एक अद्वितीय अवसर और एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का प्रतिनिधित्व करती है। भारत-अमेरिका बायोफार्मा एवं स्वास्थ्य देखभाल शिखर सम्मेलन इस सप्ताह के अंत तक बोस्टन में आयोजित किया जाएगा। 'यूएसए इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित दोनों देशों के इस वार्षिक सम्मेलन के 18वें संस्करण में एफडीए के प्रमुख डॉ. रॉबर्ट कैलिफ मुख्य वक्ताओं में से एक होंगे। 'यूएसए इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स' ने रविवार को एक बयान में बताया कि एक दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान डॉ. कैलिफ पिछले साल सितंबर में की गई भारत की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के बारे में जानकारी साझा करेंगे।

## सूरज एस्टेट डेवलपर्स ने मुंबई में 33 करोड़ में जमीन खरीदी

**मुंबई।** रियल एस्टेट कंपनी सूरज एस्टेट डेवलपर्स लिमिटेड ने एक परियोजना के निर्माण के लिए मुंबई में 33 करोड़ रुपये में 1,073 वर्ग मीटर जमीन खरीदी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने ''33.10 करोड़ रुपये की कुल कीमत पर मुंबई के माहिम (पश्चिम) में लेडी जमशेदजी रोड पर 1,073.42 वर्ग मीटर के 'फ्रीहोल्ड' भूखंड का अधिग्रहण किया है।'' सूरज एस्टेट डेवलपर्स के अनुसार, यह एक पुनर्विकास परियोजना है। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक राहुल राजन जेसु थॉमस ने कहा, '' अधिग्रहण से हमारी बिक्री क्षमता 120 करोड़ रुपये बढ़ जाती है, जिससे कंपनी की आने वाली परियोजनाओं और उसकी वित्तीय स्थिति दोनों को मजबूती मिलती है।''

# कम होते निवेश के बीच बढ़ती ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री

**संदीप अग्रवाल**

बीते सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सात ई-स्पोर्ट्स गेमर्स से मुलाकात कर सबको चौंका दिया। इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों पर करीब पांच करोड़ फॉलोअर्स रखने वाले इन युवा गेमर्स और गेम डेवलपर्स से प्रधानमंत्री की इस अकस्मात मुलाकात के बहुत सारे राजनीतिक, आर्थिक और भावनात्मक अर्थ निकाले जा सकते हैं।

लेकिन अगर हम आर्थिक पक्ष की बात करें तो मुलाकात ऐसे दौर में हुई है, जब कुछ ही दिन पहले एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें भारतीय गेमिंग इंडस्ट्री में निवेशकों की घटती रुचि का संकेत दिया गया था। भारत में वर्ष 2019 गेमिंग उद्योग अपने चरम पर था। कोरोना के दौर में इसमें और अधिक उफान आया। लेकिन, मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया था कि यह उफान बहुत लंबे समय तक नहीं टिक सका।

बेशक, वर्ष 2021 में ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री में करीब 4,150 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। लेकिन, बाद के दो वर्षों में इसमें बहुत ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। 2021 की तुलना में इंडस्ट्री 2022 में 52त्न गिरावट के साथ लगभग 1988 करोड़ रूपए और 2023 में 77त्न गिरावट के साथ सिर्फ 506 करोड़ रूपए का ही निवेश हासिल कर सकी। यही नहीं, रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि बीते एक-डेढ़ साल में निवेश ही नहीं, बल्कि गेमिंग पर यूजर्स द्वारा किए जाने वाले खर्च में भी काफी कमी आई है।

इसके बावजूद, करीब 49 करोड़ गेमर्स की मौजूदगी वाली, यह एक ऐसी इंडस्ट्री है, जिसका बाजार घटते निवेश के बावजूद लगातार फल-फूल रहा है। उम्मीद की जा

रही है कि वर्ष 2023 में 16,428 करोड़ रुपए की आंकी गई देशी गेमिंग इंडस्ट्री अगले पॉंच सालों में करीब 33,243 करोड़ रूपए की हो जाएगी। ऐसे में इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। इससे जुड़े आंकड़े विस्मित करने वाले हैं। गेमिंग इंडस्ट्री अब सिर्फ टाइमपास करने वाले गेमर्स तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि करीब तीन से चार लाख गेमर्स ऐसे भी हैं, जो प्रोफेशनल या सेमीप्रोफेशनल की श्रेणी में आते हैं और गेमिंग के इनामी मुकाबलों में नियमित रूप से हिस्सा लेते हैं। इन नेशनल-इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में लीग ऑफ लीजेंड्स, काउंटर-स्ट्राइक, ग्लोबल ऑफेंसिव, डौटा 2, ओवर वाच, फोर्टनाइट, एपेक्स, ईएसएल इंडिया प्रीमियरशिप, पीएमसीओ और पीएमपीएल आदि प्रमुख हैं, जिनकी इनामी राशि 50 लाख से 221 करोड़ रूपए तक है। करोड़ों की दर्शक संख्या के साथ इन टूर्नामेंट्स को प्रायोजकों और विज्ञापनदाताओं से खासी बड़ी आमदनी होती है। इस क्रेज ने देश में सितारों की एक नई नस्ल खड़ी कर दी है। तीर्थ मेहता, नमन माथुर, हरप्रीत सिंह सैनी, अमीन बिन हफीज, पीयूष बाजपेई, करण देसाई, अदिति विनायक, अनुराग नौटियाल ऐसे ही कुछ चैंपियन गेमिंग स्टार हैं, जो अपने चाहने वालों के बीच मोर्टल, द मिनी फ्रिज, मिस्ट्रेस ऑफ ऐसेज, 8 बिट ठग जैसे विचित्र नामों से मशहूर हैं। तीर्थ और नमन उन सात लोगों में थे, जिनसे पीएम ने पिछले सप्ताह भेंट की थी। इस क्षेत्र में निहित अपार संभावनाओं के मद्दे नजर भारत सरकार ई-स्पोर्ट्स को बहुत संजीदगी से ले रही है। ई-स्पोर्ट्स को एक वैधानिक खेल विधा के रूप में मान्यता देने के लिए मुख्य धारा के खेल आयोजनों में शामिल किए जाने की कवायदें शुरू हो चुकी हैं। सरकार और खेल प्राधिकरणों द्वारा ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और इसे मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक स्तर पर पहल की गई हैं। इन्हें राष्ट्रीय स्तर के खेल संस्थानों में एक उभरती हुई खेल गतिविधि के तौर पर शामिल किए जाने पर विचार चल रहा है। हो सकता है कि आने वाले वर्षों में बहुत सारे शीर्ष खेल आयोजनों में ई-स्पोर्ट्स भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते नजर आएं। राज्य सरकारें भी इस मामले में पीछे नहीं हैं और ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही हैं। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में ई-स्पोर्ट्स को एक खेल के रूप में मान्यता दी है और इसके विकास के लिए कदम उठा रही है।

# गरीबों की सेवा के लिए समर्पित साहू समाजः साय

## मुझे अपना असीम स्नेह देने वाले सत्यनारायण बाबा साहू समाज से हैं - साहू समाज से आने वाले प्रधानमंत्री आज पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा रहे हैं

**रायपुर/गुंडरदेही।** बहुत अच्छा लगता है कि एक समाज के द्वारा आदर्श विवाह का आयोजन किया जाता है। आज महंगाई के जमाने में साहू समाज के द्वारा यह आदर्श प्रस्तुत किया जा रहा है। मैं साहू समाज के आदर्श विवाह में लगातार शामिल हो रहा हूँ। जहाँ समाज के लोगों द्वारा मुझे खूब प्यार और आशीर्वाद मिलता है। मैंने साहू समाज द्वारा नेक काम देखा कि समाज के एक आदर्श विवाह में हुए 19 जोड़ों की शादी में 7 जोड़े दूसरे समाज के थे, जिसका पूरा खर्च साहू समाज ने वहन किया। निश्चित ही इस प्रकार के समारोह से आज के महंगाई के समय में साहू समाज द्वारा नेक काम करना बहुत ही प्रशंसनीय है। इसके लिए साहू समाज का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। मैं चाहता हूँ कि साहू समाज आगे भी ऐसा काम करता रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुंडरदेही के गोड़ेला में आयोजित साहू समाज के सम्मेलन और आदर्श विवाह में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने ये बातें कही। श्री साय ने कर्मा माता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और नवविवाहित जोड़ों को अपना आशीर्वाद देते हुए सफल वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

सीएम साय ने कहा कि आप सबके आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा पार्टी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक गांव के किसान के बेटे को प्रदेश के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा, ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आज 3 करोड़ छत्तीसगढ़ वासियों के भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास कर रहा हूँ। इसके लिए मुझे साहू समाज का भी पूरा आशीर्वाद चाहिए।

**सत्यनारायण बाबा को किया नमन-** मुख्यमंत्री ने रायगढ़ के कोसमनारा धाम के सत्यनारायण बाबा को नमन करते हुए कहा कि सत्यनारायण बाबा मेरे गुरु हैं। जिनका आशीर्वाद मुझे सदैव मिलता है। वो सबके गुरु हैं, सबके भगवान हैं। बाबा जी 26 साल से खुले आसमान के नीचे बैठे हैं। मानव सेवा के लिए गर्मी-सर्दी-धूप सबको सहते हुए तप कर रहे हैं। उनका मुझ पर असीम स्नेह रहता है। आज मैं जिस मुकाम पर हूँ, इसमें उनका बड़ा आशीर्वाद है।

श्री साय ने कहा कि सत्यनारायण बाबा साहू समाज में पैदा हुए, लेकिन वो सभी समाज के आदर्श हैं। ठीक उसी तरह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी साहू समाज में पैदा हुए, लेकिन वो देश ही नहीं दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। जो 140 करोड़ भारतवासियों के लिए सौभाग्य की बात है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सीएम साय ने कहा कि एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के

लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य था कि 2014 में मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में एक सांसद-राज्यमंत्री के रूप में मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ कार्य करने का अवसर मिला। मैंने करीब से देखा कि मोदी की पहली प्राथमिकता में देश के गरीबों का विकास है, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। मोदी जी ने गरीबों को आवास, गैस-सिलेंडर, जनधन बैंक खाता और शौचालय देने का काम किया। 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाई। मोदी जी ने अपने दूसरे कार्यकाल में बड़े-बड़े वादों को पूरा किया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करवाया, कश्मीर से धारा 370 को शांतिपूर्वक हटाया, ट्रिपल तलाक जैसे जटिल कानून को हटाकर मुस्लिम माताओं-बहनों संग न्याय किया। मोदी जी ने गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबकी सेवा की, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान, जो भारत को हमेशा गीदड़भभकी देता था। लेकिन मोदी जी की सरकार आने के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक से पाकिस्तान की बोलती बंद हो गई है। पाकिस्तान अब भारत की तरफ नजर उठा कर भी नहीं देख सकता। ये है मोदी जी के नेतृत्व में भारत की ताकत। जिसकी पूरी दुनिया लोहा मान रही है।

विष्णु देव साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। हर महीने के पहले सप्ताह को किश्त की राशि दे दी जाएगी, ये भरोसा मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दिलाया। श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है, जिससे कि प्रदेश के रामभक्त अयोध्या में भांचा राम के दर्शन का लाभ पा रहे हैं। साथ ही उन्होंने मोदी की गारंटी में जो बचे वादे हैं उनको भी सांय-सांय पूरा करने की बात कही।

श्री साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है इसलिए जनता को अलग-अलग मुद्दों पर भरमा रही है, तरह-तरह के षड़यंत्र कर रही है। लेकिन मैं आप सभी को आश्वस्त करने आया हूँ कि हताश और निराश हो चुकी कांग्रेसियों के इस बहकावे में बिल्कुल मत आइये। जब तक छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार है महतारी वंदन योजना भी बंद नहीं होगी। महिलाओं को निरंतर इसका लाभ मिलता रहेगा। हर महीने के पहले सप्ताह में राशि दे दी जाएगी। विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संसाधन से परिपूर्ण राज्य है। यहाँ लोहा, टिन, बाक्साइट, कोयला सब है। 100 प्रकार के वनोपज से भरपूर है। यहाँ की धरती-माटी उर्वरा शक्ति से भरपूर है। यहाँ के किसान मेहनतकश हैं। इसलिए मिल-जुल कर छत्तीसगढ़ को विकसित बनाना है, भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। इसके लिए आप सभी का आशीर्वाद मांगने आया हूँ। चुनाव के बाद हमारी सरकार सब काम को सांय-सांय करेगी।

कार्यक्रम में साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू, साहू समाज के सलाहकार पवन साहू, पूर्व विधायक प्रीतम साहू, पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू, हलधर साहू, सोमन साहू सहित समाजजन उपस्थित थे।

# कांग्रेस सरकारों ने किए संविधान में 80 से ज्यादा संशोधन : गुप्ता

**रायपुर।** कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने छत्तीसगढ़ प्रवास में भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाया हैं, जिसका भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने सोमवार को पलटवार कर जवाब दिया।

गुप्ता ने 'एकात्म परिसर' में एक प्रेस कांफ्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान में 80 से ज्यादा संशोधन कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में किए हैं,उन्होंने बताया कि राजीव गांधी से मनमोहन सिंह के शासनकाल में 30 , इंदिरा गांधी के समय 25 और पं. जवाहर लाल नेहरू के समय 16 संशोधन किए गए। अपनी कुर्सी बचाने के लिये इंदिरा जी ने देश को आपात काल के पंजे में जकड़ कर संविधान के लोकतांत्रिक होने का उपहास उड़ाया। बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा रचित संविधान में स्पष्ट है कि इसकी मूल स्वरूप से छेड़-छाड नहीं की जा सकती पर संविधान के 42 लें संशोधन में आपातकाल लगाकर संविधान का मूल भाव संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य को बदलकर संप्रभु सामाजिक धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया।

यह कांग्रेसी तुष्टिकरण की निती का स्पष्ट परिणाम दिखता है. गुप्ता ने पूछा कि प्रियंका गांधी को

पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्रियों ने जो संविधान में संशोधन किया हैं, वह गलत हैं या सही? उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए नए-नए क्रिप्टो फ्रंट खेलकर नए-नए आरोप लगा रही हैं, दरअसल कांग्रेस के पास अब भाजपा से लडाई की हिम्मत नहीं है, इसलिए नए-नए होली काऊ लाने पड़ रहे हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने 10 सालों में सबको मकान, सबको इलाज, सबको शौचालय, सबको बैंक खाता, सबको खाद्यान्न, सबको नल-जल,सबको बिजली, सबको सड़क, सबको इंटरनेट सबको रोजगार दिया है, जिससे व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आया है, राष्ट्:ीय सुरक्षा, आंतकवाद से मुक्ति, दुनिया में भारत की स्थिति बेहतर करना, राम मंदिर निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, तीन तलाक से मुक्ति , माफियाराज से मुक्ति दंगाराज से मुक्ति ऐसे विषय है, जिसके चलते भारत ने जनता के सामूहिक चित्त में एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। इसलिए विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह राष्ट्:ीय चुनाव हैं और जनता का वोट भी राष्ट्:ीय मुद्दों पर जाएगा, देश की जनता राहुल गांधी को कभी भी प्रधानमंत्री नहीं बनने देगा।

# तीसरे चरण में सात लोस सीटों के लिए 168 प्रत्याशी मैदान में

**रायपुर।** लोक सभा चुनाव के तृतीय चरण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सात लोक सभा सीटों के लिए अब मैदान में 168 प्रत्याशी है जिसमे 142 पुरुष और 26 महिला प्रत्याशी मैदान में है। कुल 187 प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए थे। आज सोमवार को नाम वापसी का आखिरी दिन था। सात लोक सभा सीटों के लिए 19 प्रत्याशियों ने आज अपना नामांकन वापस लिया। सरगुजा लोक सभा सीट से 10 प्रयाशी मैदान में है जिसमे 7 पुरुष और 3 महिला प्रत्याशी मैदान में है। रायगढ़ लोक सभा सीट से 13 प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 11 पुरुष और 2 महिला प्रत्याशी मैदान में है। जांजगीर-चाम्पा लोक सभा सीट से 18 प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 12 पुरुष और 6 महिला प्रत्याशी मैदान में है। कोरबा लोक सभा सीट से 27प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 21 पुरुष और 6 महिला प्रत्याशी मैदान में है।

बिलासपुर लोक सभा सीट से 37 प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 36 पुरुष और 1 महिला प्रत्याशी मैदान में है। दुर्ग लोक सभा सीट से 25 प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 22 पुरुष और 3 महिला प्रत्याशी मैदान में है। रायपुर लोक सभा सीट से 38 प्रत्याशी मैदान में है जिसमे 33 पुरुष और 5महिला प्रत्याशी मैदान में है।

सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चाम्पा और कोरबा लोक सभा सीट से 2-2 प्रत्याशी ने आज अपना नामांकन वापस लिया। बिलासपुर लोक सभा सीट से 5 प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस लिया और रायपुर लोक सभा सीट से 6 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया ।

दुर्ग लोक सभा सीट से कोई प्रत्याशी आज अपना नामांकन वापस नहीं लिया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.